राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 23 मई 2024 वर्ष–7,अंक–119 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

शाहनवाज हुसैन बोले- इंडिया गठबंधन जीरो पर सिमट जाएगी

पटना । बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन और जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा का हेलीकॉप्टर में बातचीत का वीडियो शेयर करते हुए तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी को उन्हीं के अंदाज में जवाब दिया है। शाहनवाज हुसैन कह रहे हैं कि इंडिया गठबंधन जीरो पर सिमट जाएगी। आज हम लोग शिवहर से चुनाव प्रचार करके लौट रहे हैं। मेरे साथ जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा हैं। चुनाव प्रचार के लिए जाने के दौरान शाहनवाज हुसैन और उमेश कुशवाहा हेलीकॉप्टर में आपस में बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होने कहा कि शिवहर से एनडीए के उम्मीदवार लवली आनंद भारी मतों से जीत दर्ज करेंगी। आज जो वोटिंग हो रही है। इसमें हमारे पास जो सूचना आ रही है। इसमें सभी सीट एनडीए जीत रही है। बिहार में माहौल एनडीए का है। सभी 40 सीट हम लोग जीत रहे हैं। उमेश कुशवाहा ने कहा कि आज हमने हाजीपुर लोकसभा से मतदान किया यह मेरा क्षेत्र है। वहां से शिवहर प्रचार करने के लिए पहुंचा हूं। पहले से लेकर पांचवें चरण में जो 24 लोकसभा क्षेत्र में मतदान हुए हैं। वहां एनडीए की बढ़त है। इंडिया गठबंधन जीरो पर है। छठे चरण के लिए जो हमने प्रचार प्रचार शुरू किया है। यहां भी एनडीए आगे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी को लोग पसंद कर रहे हैं। हेलीकॉप्टर में बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा था कि इंडिया गठबंधन को इस बार 300 से अधिक सीटें आएंगी। दरअसल हेलीकॉप्टर में मछली पार्टी और ऑरेंज पार्टी के वीडियो के बाद बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने रविवार को एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में वो और मुकेश सहनी आपस में आगे होने वाली जनसभा व रोजगार तथा एनडीए को लेकर लोगों में नाराजगी जैसे मुद्दे पर बातचीत कर रहे थे। वीडियो में तेजस्वी कह रहे थे कि पीएम मोदी की बातों से जनता ऊब चुकी है। उनका भाषण पकाऊ और थकाऊ है। जनता खुद उन्हें हटाना चाहती है। इस दौरान तेजस्वी दावा कर रहे है कि इंडिया गठबंधन को इस बार 300 से अधिक सीटें जीतेगी।

यमुनोत्री में धारा 144, घोड़े-खच्चर का भी समय किया तय

-भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने लिया निर्णय, पांच घण्टे में दर्शन कर लौटना होगा

देहरादून। उत्तराखंड में यमुनोत्री धाम पैदल मार्ग पर धारा 144 लगा दी गई है। जिला प्रशासन ने यमुनोत्री में उमड़ रही भीड़ को काबू करने के लिये यह फैसला लिया है। कलेक्टर ने जानकचट्टी से यमुनोत्री तक के पैदल मार्ग में घोड़े-खच्चर और डंडी-कंडी की संख्या तय कर दी है। नई व्यवस्था के तहत जानकचट्टी से यमुनोत्री धाम तक पांच घण्टे में दर्शन कर लौटना होगा। भीड़ की वजह से सारी व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। यही वजह है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उत्तरकाशी के कलेक्टर ने धारा 144 लागू करने के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक बड़कोट के डिप्टी कलेक्टर और एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने भीड़ को डीएम को रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें यमुनोत्री पैदल मार्ग के संकरे होने के कारण यात्रियों की जान को खतरा बताया था। यमुनोत्री पैदल यात्रा मार्ग पर घोड़े-खच्चरों की संख्या 800 तय की गई है। उनके आने-जाने का समय सुबह 4 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। आदेश में साफ कहा गया है कि पांच घंटे से ज्यादा कोई भी घोड़ा-खच्चर यात्रा मार्ग पर नहीं रहेगा। यमुनोत्री धाम पहुंचने पर यात्री को 60 मिनट के अंदर यमुनोत्री के दर्शन कराने का आदेश दिया गया है। इस नियम के तहत मन्दिर समिति से लेकर सभी विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 10 मई को शुरू हुई थी। इसके बाद तीर्थ यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी। यहां 11 दिनों में 21 यात्रियों की मौत हो चुकी है। बदरीनाथ धाम में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि गंगोत्री-यमुनोत्री धाम में 14 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से ज्यादातर यात्रियों की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है।

मेट्रो में मैसेज लिख दी दिल्ली सीएम को मारने की धमकी, युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सीएम अरविंद केजरीवाल को धमकी भरा संदेश लिखा था। पुलिस ने 33 वर्षीय आरोपी अंकित गोयल गिरफ्तार कर लिया है। अंकित ने दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर सीएम केजरीवाल को जान से मारने की धमकी लिखी थी। दिल्ली पुलिस की मेट्रो यूनिट ने एफआईआर दर्ज मामले की जांच कर रही थी। पुलिस आरोपी अंकित गोयल से पूछताछ कर रही है कि उसने ऐसा क्यों किया? मालूम हो कि 19 मई को पटेल नगर और राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर सीएम अरविंद केजरीवाल के लिए धमकी भरा मैसेज लिखा गया था। पुलिस ने मैसेज लिखते हुए आरोपी का सीसीटीवी फुटेज भी बरामद किया है। ऐसा माना जा रहा है कि आरोपी ने फेमस होने के लिए ऐसी हरकत कर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कीं। सूत्रों के मुताबिक आरोपी अंकित बरेली का रहने वाला है और वह किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ा है। आम आदमी पार्टी ने बीजेपी पर साजिश का आरोप लगाया था और इस मुद्दे पर बैठक के लिए चुनाव आयोग से समय मांगा था। दिल्ली पुलिस की मेट्रो यूनिट एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की। आरोपी ने मेट्रो ट्रेन के अंदर लिखा था, केजरीवाल दिल्ली छोड़ दीजिए। कृपया। अन्यथा, आपको तीन थप्पड़ याद रखने होंगे, जो आपने चुनाव से पहले खाए थे। अब असली थप्पड़ मिलेगा। इस मैसेज के वायरल होते ही पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बस्ती और श्रावस्ती में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीए मोदी बोले

मैं गरीब मां का बेटा हूं, किसी शाही खानदान से नहीं

बस्ती/श्रावस्ती ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बस्ती और श्रावस्ती में चुनावी रैली को संबोधित किया। श्रावस्ती में पीएम ने कहा- मैं गरीब मां का बेटा हूं। किसी शाही खानदान से नहीं हूं। मुझे किसी के लिए कुछ कमाना नहीं है। सपा और कांग्रेस वाले आपके घर से पानी की टोंटी खोलकर ले जाएंगे। इसमें इनकी महारत है। मोदी ने कहा कि कल मैं एक वीडियो देख रहा था, जिसमें लोग भाग-भाग कर मंच पर चढ़ रहे थे। मैंने पूछा- ये हुड़दंग क्यों चल रहा है? तो बताया गया-सपा कांग्रेस वाले रैली में लोगों को लाने के लिए कॉन्ट्रैक्ट देते हैं, प्रति व्यक्ति पैसे देते हैं, लेकिन इन्होंने पैसा दिया नहीं, तो लोग भागकर मंच पर चढ़ गए।

बस्ती में पीएम ने कहा कि अब पाकिस्तान पस्त पड़ चुका है, लेकिन उसके हमदर्द सपा-कांग्रेस वाले भारत को डराने में जुटे हैं। ये हमें डराते हैं। इनको मालूम नहीं है कि 56 इंच क्या होता है। उन्होंने कहा कि मैडम सोनिया ने अपने अध्यक्ष सीताराम केसरी को बाथरूम में बंद करवा दिया। फिर उठवाकर फुटपाथ पर फेंकवा दिया और रातोंरात खुद अध्यक्ष बन गईं। पीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेस के शहजादे दिन में सपने देखते हैं। पहले मैं ये बात सुना करता था। 4 जून को यूपी की जनता इनको नींद से जगाने वाली है। तब ये ठीकरा ईवीएम पर फोड़ेंगे।

मोदी को भ्रष्टाचार मंजूर नहीं

पीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेस में डीएम, डीजीपी बनाने, नौकरी देने के लिए रेट कार्ड फिक्स था। अब यह सब बंद हो गया है। जिसका इतना नुकसान होगा। वह मोदी को गाली देगा ही। मोदी को ये गालियां मंजूर हैं। मोदी को अनाप-शनाप जो बोलना है, वह सब मंजूर है। मेरे लिए बोले, मेरे परिवार के लिए बोले। लेकिन, सपा-कांग्रेस वाले कान खोल के सुन लें, मोदी को भ्रष्टाचार मंजूर नहीं है, नहीं है, नहीं है। मोदी ने कहा कि इनके नेता कह रहे हैं कि कांग्रेस आई तो सीएए को रद्द कर देंगे। कांग्रेस आई, तो कश्मीर में 370 फिर से लगाएंगे। जो आतंकवादी जेल में हैं, उसे कांग्रेसी पीएम के घर बुलाकर बिरयानी खिलाएंगे। जिनकी सोच ऐसी है, ऐसे ख्याल को पालते हैं। आप कल्पना कीजिए इनके इरादे देश को कितना तबाह कर देंगे।

इंडिया गठबंधन पूरी तरह से ध्वस्त

मोदी ने कहा कि ये उत्साह साफ-साफ बता रहा है कि सपा और कांग्रेस का इंडिया गठबंधन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। पूरा देश एक ही बात कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने बताया कि सपा कांग्रेस वाले रैली में लोगों को लाने के लिए कॉन्ट्रैक्ट देते हैं, प्रति व्यक्ति पैसे देते हैं, लेकिन इन्होंने पैसा दिया नहीं, तो लोग भागकर मंच पर चढ़ गए। अब जिस पार्टी का ये हाल हो, वो आपका भला कैसे कर सकती है।

पीएम ने कहा कि बस्ती, सिद्धार्थनगर और डुमरियागंज की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए काम हो रहा। 25 मई को आपका एक वोट तुष्टीकरण की राजनीति को कब्रिस्तान में गाड़ देगा। एक वोट देश का भविष्य सुनिश्चित करेगा।

45 डिग्री पारा....बीएसएफ जवानों ने रेत पर सेंके पापड़

सीएम शर्मा ने वीडियो शेयर कर लिखी मार्मिक बात

बीकानेर ।

राजस्थान में वर्तमान में चिलमिलाती गर्मी पड़ रही है। बीकानेर का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इस भीषण गर्मी के बीच सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान का वीडियो सामने आया है।

वीडियो में बीएसएफ सेना तपती गर्म रेत में पापड़ सेंकते हुए दिख रहे है। यह रेत इतनी गर्म है कि पापड़ महज कुछ ही सेंकड में सिक जाती है। सेना के जवान पापड़ को तोड़ते हुए भी नजर आ रहे है। इस वीडियो को असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिस्वा शर्मा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अंकाउट पर शेयर किया है। उन्होंने वीडियो को पोस्ट कर लिखा, राजस्थान के रेगिस्तान का यह वीडियो देखकर मेरे मन में हमारे जवानों के प्रति अपार सम्मान और कृतज्ञता की भावना उत्पन्न हो गई है, जो ऐसी असाधारण परिस्थितियों में भी हमें सुरक्षित रखते हैं।

बता दें कि राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है। गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। तेज गर्मी और ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी को बढ़ा दिया है। बुधवार को पाकिस्तान सीमा के निकट

जैसलमेर जिले में स्थित बीएसएफ की सीमा चौकियों पर दोपहर में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। बिजली कंपनियों के अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश भी रद्द कर दिए गए हैं। चिकित्सकों एवं नर्सिंग कर्मचारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक रूप से अस्पतालों के रहने के लिए कहा गया है। शर्मा सरकार के निर्देश पर सभी स्थानीय निकायों की ओर से शहरों में छिड़काव कर लोगों को राहत देने का प्रयास किया जा रहा है।

ईरान के साथ भारत निभा रहा है दोस्ती, उपराष्ट्रपति धनखड़ जाएंगे ईरान

नई दिल्ली। ईरान और भारत की दोस्ती दशकों पुरानी है। मगर बीते दिनों दोनों देशों के बीच की यह दोस्ती उस वक्त परवान चढ़ गई, जब ईरान ने अपने चाबहार पोर्ट का कंट्रोल भारत को 10 सालों के लिए दे दिया। भारत ने बीते सप्ताह ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह के संचालन के लिए 10 सालों के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। चाबहार पोर्ट भारत के लिए काफी अहम है, क्योंकि इससे अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी पहुंच हो जाएगी। पहले भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया में व्यापार करने के लिए पाकिस्तान पर निर्भर रहना पड़ता था। चाबहार पोर्ट का कंट्रोल भारत को न मिले, इसके लिए पाकिस्तान और चीन ने खूब पापड़ बेले. दोनों ने ईरान पर खूब दबाव बनाया, मगर रईसी उनके दबाव में जरा भी न झूके। हेलिकॉप्टर हादसे में मारे गए राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 23 मई को उत्तर-पूर्वी शहर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक होंगे। उपराष्ट्रपति मोहसिन मंसूरी ने इसकी जानकारी दी। उनके शोक कार्यक्रम में भारत की ओर से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शामिल होंगे। भारत के लिए ईरान काफी महत्व रखता है। यह इसी बात से समझा जा सकता है कि न केवल इब्राहिम रईसी की मौत पर भारत में एक दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया गया, बल्कि उपराष्ट्रपति धनखड़ भी ईरान जा रहे हैं। अब सवाल उठता है कि आखिर इब्राहिम रईसी की मौत पर भारत में राष्ट्रीय शोक क्यों और उपराष्ट्रपति क्यों जा रहे ईरान? दरअसल, रईसी के कार्यकाल में भी ईरान के साथ भारत के अच्छे संबंध रहे हैं। चाबहार पोर्ट इसका एक बड़ा उदाहरण है। मिडिल ईस्ट में ईरान भारत के लिए काफी अहमियत रखता है। इसकी सबसे बड़ी वजह चाबहार पोर्ट ही है। चाबहार पोर्ट की वजह से ही भारत को ईरान का साथ हर हाल में चाहिए। यह चाबहरा पोर्ट ही है, जिसके जरिए भारत पाकिस्तान और चीन को मुंहतोड़ जवाब दे सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक की बोर्ड में लिया गया निर्णय

नई सरकार को आरबीआई से मिलेगा 2.11 लाख करोड़

नई दिल्ली। आम चुनाव 2024 के परिणामों के बाद देश में बनने वाली नई सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से बड़ा तोहफा मिलेगा। केंद्रीय बैंक के बोर्ड ने पहली बार सरकार को लाभांश के रूप में 2.11 लाख रुपये देने का फैसला किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार की बैठक में वित्त वर्ष 2024 के लिए केंद्र सरकार के लिए 2.11 लाख करोड़ रुपये के लाभांश को मंजूरी दी, जो वित्त वर्ष 23 की तुलना में लगभग 141 प्रतिशत अधिक है।

वित्तीय वर्ष 2023 में केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को अधिशेष के रूप में 87,416 करोड़ ट्रांसफर किए थे। मुंबई में बुधवार को आयोजित केंद्रीय बोर्ड की 608वीं बैठक के दौरान केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल ने दृष्टिकोण के जोखिम सहित वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान बोर्ड ने सरकार को 2,10,874 करोड़ रुपये का अधिशेष हस्तांतरित करने का फैसला किया।

आय और व्यय के बीच का अंतर है सरप्लस

आरबीआई की आय और व्यय के बीच के अंतर को सरप्लस कहते हैं। आरबीआई रिजर्व के लिए प्रोविजन और रिटेन्ड अर्निंग के बाद सरप्लस को सरकार को ट्रांसफर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 47 (अलॉकेशन ऑफ सरप्लस प्रॉफिट) के अनुसार, ये ट्रांसफर होता है।

अब तक के सर्वाधिक लाभांश के भुगतान को मंजूरी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये के अब तक के सर्वाधिक लाभांश भुगतान को मंजूरी दी। आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश या अधिशेष हस्तांतरण के तौर पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 87,416 करोड़ रुपये दिए गए थे। इससे पहले 2018-19 में सबसे अधिक 1.76 लाख करोड़ रुपये की राशि आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश के तौर पर दी गई थी।

गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई बैठक

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में आज मुंबई में भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 608वीं बैठक आयोजित की गई। बोर्ड ने दृष्टिकोण के जोखिमों सहित वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की।

इस पहल की हर कोई कर रहा तारीफ

राजपूत समाज की पहल.....दलित समाज की दुल्हन को घोड़ी पर बैठाकर बिदौंली निकाली

अजमेर ।

ख्वाजा गरीब नवाज की नगरी अजमेर से सुखद खबर सामने आई है। लोहागल इलाके में दलित समाज की लड़की की शादी में अनूठी पहल हुई है। कैलाश मेघवाल की 19 वर्षीय बेटी साक्षी की शादी में राजपूत समाज के लोगों ने दुल्हन को घोड़ी पर बिठाकर डोल नगाड़े के साथ पूरे गांव में बिदौंली निकाली। घोड़ी की लगाम को आम जनमत पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम सिंह बनवाड़ा और प्रदेश उपाध्यक्ष श्यामसिंह तस्वारियां ने पकड़कर यह बिंदौली निकाली। साक्षी की शादी से पहले यह आयोजन मंगलवार रात को हुआ। आयोजन में 14 साल के बालक शुभम सिंह बनवाड़ा ने दुल्हन साक्षी को साफा पहनाया।

इसके बाद बनवाड़ा राजपूत परिवार की ओर से दुल्हन साक्षी और उसके परिवार को राजस्थानी परंपरा के अनुसार बिंदौली के शाही भोज पर आमंत्रित किया। शादी में सैकड़ों लोग सामाजिक समरसता के माहौल के साक्षी बने। बिदौली और आयोजन के फोटो सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हो रहे हैं।

हर कोई इस पहल की तारीफ कर रहा है। इस लेकर प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम सिंह बनवाड़ा ने बताया कि दलित समाज को लेकर कई तरह की नकारात्मक बातें होती हैं। कई जगह दलित दूल्हों को घोड़ी बैठने नहीं दिया जाता। कई जगह नीचे उतार दिया जाता है।

लेकिन राजपूत समाज हमेशा दलित समाज को साथ लेकर चला है।

इस तरह के आयोजन करके समाज में फैली ऊंच नीच खत्म किया जा सकता है। समाज के पिछड़े तबकों की रक्षा करना राजपूत समाज का धर्म रहा है। साक्षी के पिता मेघवाल उनके बहुत पुराने दोस्त हैं। वे अपनी बेटी की शादी बेटे की तरह की तरह करना चाहते थे। इसकारण बेटी को साफा पहनाकर उसकी घोड़ी पर बिंदौली निकली गई है। इस आयोजन के जरिये लोगों को संदेश दिया गया कि ऊंच नीच कुछ नहीं होती।

मौसम विभाग की चेतावनी....अगले पांच दिन में 47 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है पारा

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट

नई दिल्ली ।

मौसम विभाग (आईएमडी) ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पश्चिमी उत्तरप्रदेश सहित कई राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में अगले पांच दिनों तक भीषण गर्मी का कहर जारी रहने का अनुमान जाहिर किया गया है। दिन का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम ही है। रिपोर्ट के अनुसार, सीनियर मौसम विभाग (आईएमडी) वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा, उत्तर पश्चिम भारत में तापमान फिलहाल सामान्य से अधिक है, विभाग ने पिछले 2-3 दिनों में इस क्षेत्र के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। राज्यवार पूर्वानुमान के संबंध में, हमने अगले पांच दिनों के लिए राजस्थान में रेड अलर्ट जारी किया है। अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से और बढ़कर 47 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने की संभावना है। कुमार ने बताया कि पंजाब और हरियाणा में पश्चिमी विक्षोभ के कारण अधिकतम तापमान में थोड़ी कमी हुई है, लेकिन आने वाले दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के लिए भी अगले पांच दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और मध्य प्रदेश के उत्तरी इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, दूसरी तरफ दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु और केरल में अगले 2-3 दिनों में 12 सेंटीमीटर तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को खासकर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है, क्योंकि तेज गर्मी से शरीर में लू लगना,

डिहाइड्रेशन, थकावट और हीट स्ट्रोक जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। एम्स, दिल्ली के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. नीरज निश्चल ने इस बात पर जोर दिया कि हीट वेव की स्थिति शरीर पर अत्यधिक दबाव डाल सकती है, जो जानलेवा भी हो सकती है।

संपादकीय

खाक होती संपदा

अभी उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग के किस्से खत्म नहीं हुए थे कि हिमाचल के जंगलों में लगी आग से हजारों हेक्टेयर वन संपदा के खाक होने के समाचार आने लगे हैं। ऐसे वक्त में जब देश के विभिन्न इलाकों में रिकॉर्ड तापमान वृद्धि से लोग हलकान हैं, सुलगते जंगल हमारे संकट को बढ़ाने वाले ही हैं। दावानल में सिर्फ जंगल में पेड़ ही नहीं जलते, तमाम तरह की जैविक विविधता, जंगली जानवर, कीट-पतंगे व पक्षी भी राख होते हैं। यह हमारे पर्यावरण के लिये बेहद घातक स्थिति है। जो निस्संदेह हमारे पारिस्थितिकीय संतुलन पर घातक प्रभाव भी डालती है। हिमाचल के कई इलाकों में लगी आग को लेकर कहा जा रहा है कि अग्निशमन दल के न पहुंच पाने और संसाधनों के अभाव में वनकर्मी झाड़ियों का झाड़ू बनाकर ग्रामीणों के सहयोग से आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। यह विडंबना है कि विदेशों में जंगल की आग बुझाने के लिये हवाई जहाजों , हेलीकॉप्टरों तथा ड्रोन के जरिये रासायनिक पदार्थ व पानी का छिड़काव किया जाता है। वहीं भारत में ऐसे प्रयास न के बराबर नजर आते हैं। उत्तराखंड में लगी आग के बाद आईआईटी रुड़की की मदद से कृत्रिम बारिश कराने के प्रयासों की चर्चा भी हो रही थी। विडंबना यही है हमारा तंत्र आग लगने के बाद कुंआ खोदने की मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाया है। ज्यादातर मामलों में अप्रैल व मई में आग लगने की घटनाओं के मूल में उच्च तापमान वजह बतायी जाती है। लेकिन हर आग लगने की घटना में मानवीय हस्तक्षेप ही होता है। जिसमें इंसान के संकीर्ण स्वार्थ भी निहित होते हैं, तो आपराधिक लापरवाही भी। कभी कहा जाता था कि लकड़ी के ठेकेदार कुछ वनकर्मियों की मिलीभगत से इस तरह की स्थितियां पैदा करते हैं ताकि लकड़ी चोरी की वास्तविकता पर पर्दा डाला जा सके। बहरहाल, हर वर्ष के अग्निकांडों में हजारों हेक्टेयर वन संपदा का यूं तबाह होना एक मानवीय संकट का ही पर्याय है। यह एक हकीकत है कि जंगलों में लगने वाली आग को बुझाने के लिये पर्याप्त संसाधन वन व अग्निशमन विभाग के पास नहीं होते। इनका बजट सीमित होने के कारण भी आग बुझाने के आधुनिक साधन नहीं जुटाए जा सकते। वनों की जटिल भौगोलिक स्थिति के कारण भी हर अग्नि प्रभावित क्षेत्र तक पहुंच पाना मुश्किल होता है। वैसे एक हकीकत यह है कि आग बुझाने के प्रयासों से ज्यादा जरूरी है कि हम उन स्थितियों पर पहले से निगरानी रखें जो आग लगने का कारण बनती हैं। जंगलों में पतझड़ के बाद जमा पत्तियों को अलग करने का प्रयास करना चाहिए, जिससे आग के लिये सहज ईंधन न मिल सके। अकसर देखने में आता है कि कुछ वृक्षों के ज्वलनशील अवयव हर साल आग में घी का काम करते हैं। जिनको हटाने के लिये ग्रामीणों की मदद ली जानी चाहिए। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सख्त वन कानूनों के चलते स्थानीय लोगों को वन संपदा में भागीदारी से वंचित करने के बाद ग्रामीणों का वन संपदा संरक्षण के प्रयासों से मोह भंग हुआ है। यह एक हकीकत है कि ग्राम पंचायतों जैसी इकाइयों की जवाबदेही तय करने से इस संकट को दूर करने में मदद मिल सकती है। जंगलों में लगने वाली आग पर नियंत्रण को लेकर जैसी समझ स्थानीय ग्रामीणों में होती है, वैसी समझ वेतन-भत्ता भोगी कर्मचारियों में नहीं हो सकती। सही मायनों में ग्रामीणों की जीवटता व अनुभव जंगल की आग पर काबू पाने में अधिक कारगर साबित हो सकते हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख

बुद्ध धर्मक्रांति एवं व्यक्तिक्रांति के सूत्रधार

(लेखक - ललित गर्ग)

(बुद्ध पूर्णिमा- 23 मई 2024 पर विशेष)

गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, उनका लोकहितकारी चिन्तन एवं कर्म कालजयी है और युग-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता है। बुद्ध पूर्णिमा को उनकी जयंती मनाई जाती है और उनका निर्वाण दिवस भी बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही हुआ था। आज के दिन गौतम बुद्ध अपनी पूर्णता में खिल गये थे, वे अपनी पूर्णता के साथ-साथ मानव समाज की पूर्णता की खोज में लगे रहे और एक प्रेरणा और संभावना बने। यानी यही वह दिन था जब बुद्ध ने जन्म लिया, शरीर का त्याग किया था, ज्ञान और मोक्ष प्राप्त किया। बुद्ध पूर्णिमा न केवल बौध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बुद्ध पूर्णिमा सबसे बड़ा त्योहार का दिन होता है। इस दिन अनेक प्रकार के समारोह आयोजित किए गए हैं। अलग-अलग देशों में वहां के रीति-रिवाजों और संस्कृति के अनुसार समारोह आयोजित होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा को श्रीलंकाई 'वेसाक' उत्सव के रूप में मनाते हैं जो 'वैशाख' शब्द का अपभ्रंश है। इस दिन बौद्ध घरों में दीपक जलाए जाते हैं और फूलों से घरों को सजाया जाता है। दुनियाभर से बौद्ध धर्म के अनुयायी बोधगया आते हैं और प्रार्थनाएं करते हैं। बोधिवृक्ष की पूजा की जाती है। उसकी शाखाओं पर हार व रंगीन पताकाएँ सजाई जाती हैं। जड़ों में दूध व सुगंधित पानी डाला जाता है। वृक्ष के आसपास दीपक जलाए जाते हैं। गरीबों को भोजन व वस्त्र दिए जाते हैं।

महात्मा गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। उन्होंने अपने जीवन में हमेशा लोगों को अहिंसा और करुणा का भाव सिखाया। गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल स्थित लुम्बिनी में 563वीं ईसा पूर्व में एक राजपरिवार में हुआ था। महात्मा बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु में से एक माना जाता है। उन्होंने न केवल अनेक प्रभावी व्यक्तियों बल्कि आम जन के हृदय को छुआ और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों की जीवन दिशा को बदला।

बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। शांति की खोज में वे 27 वर्ष की उम्र में घर-परिवार, राजपाट आदि छोड़कर चले गए थे। भ्रमण करते हुए सिद्धार्थ काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ उन्होंने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचें कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित हुए और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी है। बुद्ध के अनुयसा जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त करना है। यदि स्वयं पर विजय प्राप्त कर लिया तो फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी। इसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता। गौतम बुद्ध कहते हैं कि व्यक्ति कभी भी बुराई से बुराई को खत्म नहीं कर सकता है। इसे खत्म करने के लिए व्यक्ति को प्रेम का सहारा लेना पड़ता है। प्रेम से दुनिया की हर बड़ी चीजों को जीता जा सकता है। बुद्ध के अनुसार, खुशियां बांटने से हमेशा बढ़ती हैं। कभी कम नहीं होती हैं। जंगली जानवर की अपेक्षा कपटी और दुष्ट मित्र से डरना चाहिए। जंगली जानवर आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन एक बुरा मित्र आपकी बुद्धि को नुकसान पहुंचा सकता है। गौतम बुद्ध के अनुसार, जीवन में तीन चीजें कभी भी छुपाकर नहीं रखा जा सकता है। वो है- सूर्य, चंद्रमा और सत्य।

वास्तव में देखा जाए तो राज-शासन और धर्म-शासन दोनों का ही मुख्य उद्देश्य जनता को सन्मार्ग पर ले जाना है। परन्तु राज-शासन के अधिनायक स्वयं मोहमाया ग्रस्त प्राणी होते हैं, अतः वे समाज सुधार के कार्य में पूर्णतया सफल नहीं हो पाते। भला, जो जिस चीज को अपने हृदयतल में से नहीं मिटा सकता, वह दूसरे हजारों हृदयों से उसे कैसे मिटा सकता है? राज-शासन की आधारशिला प्रेम, स्नेह एवं सद्भाव की भूमि पर नहीं रखी जाती है, वह रखी जाती है, प्रायः भय, आतंक और दमन की नींव पर। यही कारण है कि राज-शासन प्रजा में न्याय, नीति और शांति की रक्षा करता हुआ भी अधिक स्थायी व्यवस्था कायम नहीं कर सकता। जबकि धर्म-शासन परस्पर के प्रेम और सद्भाव पर कायम होता है, फलतः वह सत्य-पथ प्रदर्शन के द्वारा मूलतः समाज का हृदय परिवर्तन करता है और सब ओर से पापाचार को हटाकर स्थायी न्याय, नीति तथा शांति की स्थापना करता है। बुद्ध अन्ततोगत्वा इसी निर्णय पर पहुंचे कि भारत का यह दुःसाध्य रोग साधारण राजनीतिक हलचलों से दूर होने वाला नहीं है। इसके लिए तो सारा जीवन ही उत्सर्ग करना पड़ेगा, क्षुद्र परिवार का मोह छोड़ कर 'विश्व-परिवार' का आदर्श अपनाना होगा। राजकीय वेशभूषा से सुसज्जित होकर साधारण जनता में घुला-मिला नहीं जा सकता। वहां तक पहुंचने के लिए तो ऐच्छिक लघुत्व स्वीकार करना होगा, अर्थात् भिक्षुत्व स्वीकार करना होगा।

मानवता को बुद्ध की सबसे बड़ी देन है भेदभाव को समाप्त करना। यह एक विडम्बना ही है कि बुद्ध की इस धरती पर आज तक छूआछूत, भेदभाव किसी न किसी रूप में विद्यमान हैं। उस समय तो समाज छूआछूत के कारण अलग-अलग वर्गों में विभाजित था। बौद्ध धर्म ने सबको समान मान कर आपसी एकता की बात की तो बड़ी संख्या में लोग बौद्ध मत के अनुयायी बनने लगे। कुछ दशक पूर्व डाक्टर भीमराव आम्बेडकर ने भारी संख्या में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध मत को अंगीकार किया ताकि हिन्दू समाज में उन्हें बराबरी का स्थान प्राप्त हो सके। बौद्ध मत के समानता के सिद्धांत को व्यावहारिक रूप देना आज भी बहुत आवश्यक है। मूलतः बौद्ध मत हिन्दू धर्म के अनुरूप ही रहा और हिन्दू धर्म के भीतर ही रह कर महात्मा बुद्ध ने एक क्रान्तिकारी और सुधारवादी आन्दोलन चलाया। समाजिक क्रांति के संदर्भ में उनका जो अवदान है, उसे उजागर करना वर्तमान युग की बड़ी अपेक्षा है। ऐसा करके ही हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे। बुद्ध ने समतामूलक समाज का उपदेश दिया। जहां राग, द्वेष होता है, वहां विषमता पनपती है। इस दृष्टि से सभी समस्याओं का उत्स है-राग और द्वेष। व्यक्ति अपने स्वार्थों का पोषण करने, अहं को प्रदर्शित करने, दूसरों को नीचा दिखाने, सत्ता और सम्पत्ति हथियाने के लिए विषमता के गलियारे में भटकता रहता है। बुद्ध ने जन-जन के बीच आने से पहले, अपने जीवन के अनुभवों को बांटने से पहले, कठोर तप करने से पहले, स्वयं को अकेला बनाया, खाली बनाया। तप तपा। जीवन का सच जाना। फिर उन्होंने कहा अपने भीतर कुछ भी ऐसा न आने दो जिससे भीतर का संसार प्रदूषित हो। न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा कहो। यही खालीपन का संदेश सुख, शांति, समाधि का मार्ग है। उन्होंने अप्प दीपो भव- अपने दीपक स्वयं बनने की बात कही। क्योंकि दिन-रात संकल्पों-विकल्पों, सुख-दुख, हर्ष-विषाद से घिरे रहना, कल की चिंता में झुलसना तनाव का भार ढोना, ऐसी स्थिति में भला मन कब कैसे खाली हो सकता है? कैसे संतुलित हो सकता है? कैसे समाधिस्थ हो सकता है? इन स्थितियों को पाने के लिए वर्तमान में जीने का अभ्यास जरूरी है। न अतीत की स्मृति और न भविष्य की चिंता। जो आज को जीना सीख लेता है, समझना चाहिए उसने मनुष्य जीवन की सार्थकता को पा लिया है और ऐसे मनुष्यों से बना समाज ही संतुलित हो सकता है, स्वस्थ हो सकता है, समतामूलक हो सकता है। जरूरत है उन्नत एवं संतुलित समाज निर्माण के लिए महात्मा बुद्ध के उपदेशों को जीवन में ढालने की। बुद्ध-सी गुणात्मकता को जन-जन में स्थापित करने की। ऐसा करके ही समाज को स्वस्थ बना सकेंगे। कोरा उपदेश तक बुद्ध को सीमित न बनाएं, बल्कि बुद्ध को जीवन का हिस्सा बनाएं, जीवन में ढालें।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

प्रत्येक प्राणी के प्रति दयाभाव रखते थे महात्मा बुद्ध

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

बुद्ध पूर्णिमा (23 मई) पर विशेष

प्रतिवर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा इस वर्ष 23 मई को है। माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के ही दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। गौतम उनका गौत्र था किन्तु कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया।

सिद्धार्थ मन की शांति पाने के उद्देश्य से एक दिन भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोहमाया और ममता का परित्याग कर पूर्ण सन्यासी बन गए। सबसे पहले उन्होंने मार्ग में एक रोगी व्यक्ति को देखा और सारथी से पूछा, ''यह प्राणी कौन है और इसकी यह कैसी दशा है?''

सारथी ने बताया, ''यह भी एक मनुष्य है और इस समय यह बीमार है। इस दुनिया में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी रोगी होकर दुःखों का सामना करना ही पड़ता है।''

आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व कृशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा। सारथी ने एक-एक कर उन्हें मनुष्य की इन चारों अवस्थाओं के बारे में बताया कि हर व्यक्ति को कभी न कभी बीमार होकर कष्ट झेलने पड़ते हैं। बुढ़ापे में काफी दुःख झेलने पड़ते हैं, उस अवस्था में मनुष्य दुर्बल व कृशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी मृत्यु हो जाती है।

सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दुःखी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल शांतचित्त था। साधु को देख सिद्धार्थ के मन को अपार शांति मिली और उन्होंने विचार किया कि साधु जीवन से ही मानव जीवन के इन दुखों से मुक्ति संभव है। बस फिर क्या था, देखते ही देखते सिद्धार्थ सांसारिक मोहमाया के जाल से बाहर निकलकर पूर्ण वैरागी बन गए और एक दिन रात्रि के समय पत्नी यशोधरा तथा पुत्र राहुल को गहरी नींद में सोता छोड़ उन्होंने घर-परिवार और राजसी सुखों का परित्याग कर दिया तथा सत्य एवं ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप किया और सूखकर कांटा हो गए किन्तु ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। उसके बाद उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक शक्ति प्राप्त की और बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना वे यहां से नहीं उठेंगे। सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जागृत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो उन्होंने ही राजकुमार सिद्धार्थ को पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया। 'तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह वृक्ष 'बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को 'महात्मा बुद्ध' कहा गया। महात्मा बुद्ध मन की साधना को ही सबसे बड़ी साधना मानते थे। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में उन्होंने दुनियाभर में घूम-घूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए।

(लेखक 34 वर्षों से साहित्य और पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

लोकसभा चुनाव के बाद नये टैक्स लगना तय

(लेखक - सनत जैन)

केंद्र सरकार ने इस बार लोकसभा चुनाव के कारण बजट पेश नहीं किया। लोकसभा चुनाव समाप्त होने के बाद जो नई सरकार बनेगी, वह बजट पेश करेगी। बजट में टेक्स बढ़ना तय माना जा रहा है। सरकार की जितनी आय पिछले वर्षों में बढ़ी है। उस आय की तुलना में सरकार के खर्च आय की तुलना में कई गुना बढ़ रहे हैं। फरवरी माह में सरकार का हाउसहोल्ड एक्सपेंडिचर सर्वे आया था। उसमें प्रति व्यक्ति 3773 रूपये गांव में तथा 6459 प्रति व्यक्ति खपत शहरी क्षेत्र में बताई गई थी। भारत की आबादी 140 करोड़ से ऊपर पहुंच गई है। 80 करोड़ आबादी को 5 किलो मुफ्त राशन देना पड़ रहा है। विश्व बैंक द्वारा निर्धारित मानदंड के अनुसार दुनिया के उच्चतम खर्च ओर न्यूनतम खर्च से भी कम भारत में आम आदमी कर पा रहा है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में जितना जीएसटी से कर एकत्रित हुआ। उसमें 50 फ़ीसदी कर निम्न आय वर्ग के लोगों द्वारा चुकाया गया है। सबसे ऊंची आय वाले लोगों द्वारा मात्र तीन फ़ीसदी टैक्स जीएसटी से चुकाया गया है। बाकी का टैक्स मध्यम वर्ग ने चुकाया है। जीएसटी कर की दरों में भिन्नता है। जीएसटी में 18 फ़ीसदी औसतन कर की दर गरीबों को भी चुकानी पड़ रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दर 14 फ़ीसदी है। अर्थात भारत में जीएसटी, विकसित राष्ट्रों से ज्यादा वसूल की जा रही है। पेट्रोल, डीजल और गैस पर केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा भारी कर जीएसटी से इतर वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण भारत में महंगाई बढ़ रही है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अचल संपत्ति, हाउस टैक्स, वॉटर टैक्स, टोल टैक्स, वाहन टैक्स,कचरा टैक्स और ना-ना तरह-तरह की सेवाओं पर जीएसटी वसूल की जा रही हैं। 2014 की तुलना में 2024 में टैक्स से सरकार की आय कई गुना बढ़ गई है। आयकर आम आदमियों से 30 फ़ीसदी की दर से वसूल किया जा रहा है। वहीं कंपनियों की कमाई पर मात्र 21 फ़ीसदी टैक्स वसूल किया जा रहा है। इंडिया रेटिंग्स के 2021 में जारी अध्ययन के अनुसार 2010 में केंद्र के कुल राजस्व में 100 रुपए की आय पर 40 रूपये कंपनियों से आते थे। 60 रूपये आम लोगों से आते थे। 2024 तक आते-आते सरकार आम लोगों से 75 रूपये वसूल कर रही है। कंपनियों से मात्र 25 फीसदी वसूल हो पा रहा है। पिछले 10 वर्षों में आम आदमी के ऊपर टैक्स का भार बढ़ता चला जा रहा है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय,कर्ज पर कर्ज लेते जा रहें है। इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर जिन प्रोजेक्ट पर पैसे खर्च किए जा रहे हैं। प्रोजेक्ट में दिए गए ऋण की किस्त और ब्याज का भुगतान आम आदमी के करों की वसूली से हो रहा है। जिसके कारण सरकार को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हर साल टैक्स बढ़ाने पड़ रहे हैं। भारत की 77 फ़ीसदी संपत्ति पर 10 फीसदी लोगों का कब्जा है। भारत में 1985 से स्टेट ड्यूटी खत्म कर दी गई है। स्टेट ड्यूटी व्यक्ति की मरने के बाद उसके विरासत पर सरकार वसूल करती थी। अब बड़े आदमियों को स्टेट ड्यूटी नहीं भरना पड़ती है। 2015 में वेल्थ टैक्स भी खत्म कर दिया गया। भारत में अब केवल कैपिटल गैन पर ही कर चुकाना होता है। इसका बोझ भी मध्यम वर्ग पर सबसे ज्यादा पड़ रहा है। अमीरों की संपत्ति बढ़ती चली जाती है। उसको बेचा नहीं जाता है। जिसके कारण सरकार को उनकी संपत्तियों पर कोई टैक्स प्राप्त नहीं हो पता है। अमीरों को कई तरह की छूट केंद्र एवं राज्य सरकारें देती है। भारत से उद्योगपति कमाई कर रहे हैं। कमाई का पैसा दूसरे देशों में निवेश कर रहे हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय संस्थाएं मध्यम वर्ग से भारी टैक्स वसूल कर रही हैं। जीएसटी के जरिए मध्य और निम्न आय वर्ग से पिछले 7 सालों से भारी टैक्स की वसूली की जा रही हैं। महंगाई बढ़ने से सरकार के टैक्स की आय लगातार बढ़ती जा रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों पर कर्ज की राशि इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है। टेक्स मे वसूले गए राजस्व का बड़ा हिस्सा कर्ज़ अदाएगी और ब्याज में जा रहा है। सरकार और स्थानीय निकाय अपने खर्च को पूरा करने के लिए आम आदमियों पर टैक्स का बोझ बढ़ाते जा रहे हैं। भारत में लोगों की आय नहीं बढ़ रही है। मध्यवर्ग की आय कम होती जा रही है। मध्यम एवं निम्न वर्ग कर्ज के बोझ से दबता चला जा रहा है। वेतन भोगी कर्मचारी से जितना टैक्स वसूल किया जा सकता था, उतना आयकर और अन्य टैक्सों के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकारें वसूल कर रही हैं। कर्ज के कारण पारिवारिक एवं सामाजिक विषमता बढ़ती चली जा रही है। 77 फ़ीसदी संपत्ति पर मात्र 10 फ़ीसदी लोगों का अधिकार है। इन्हें कई तरह से टैक्स की छूट मिली हुई है। 77 फ़ीसदी संपत्ति के क्रीमी लेयर पर भारत की अर्थव्यवस्था में 3 फीसदी भी योगदान नहीं है। उल्टे यह भारत से पैसा कमाकर विदेशों में निवेश कर रहे हैं। क्रीमी लेयर के परिवार के कुछ सदस्य भारत छोड़कर विदेशी नागरिकता ले रहे हैं। जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 75 साल के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। सरकार के पास सिवाय टैक्स लगाने के और कोई विकल्प नहीं बचा।

पेटीएम का चौथी तिमाही में नेट घाटा बढ़कर 549.6 करोड़ हुआ

मुंबई । इंडियन डिजिटल पेमेंट फर्म पेटीएम ने मार्च तिमाही के अपने नतीजों का ऐलान कर दिया। कंपनी ने बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में नेट घाटा बढ़कर 549.6 करोड़ हो गया। पेटीएम के मुताबिक, पिछले साल की समान अवधि में शुद्ध घाटा 219.8 करोड़ रुपये था। परिचालन से समेकित राजस्व साल-दर-साल 2.9 प्रतिशत गिरकर 2,334.5 करोड़ रुपये से 2,267.1 करोड़ रुपये हो गया। क्रमिक रूप से, राजस्व 2,850.5 करोड़ रुपये से 20.5 प्रतिशत गिर गया। आरबीआई द्वारा 31 जनवरी को इसकी सहयोगी कंपनी, पेटीएम पेमेंट्स बैंक (पीपीबीएल) पर प्रतिबंध लगाने के बाद कंपनी के मार्जिन पर असर पड़ा। कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना से पहले ब्याज, कर, डेप्रिसिएशन और परिशोधन से पहले कंपनी की कमाई मार्च तिमाही में तेजी से गिरकर 103 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 234 करोड़ रुपये थी।

कॉपर महंगा होने से इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद के बढ़ेंगे दाम

मुंबई । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कॉपर (तांबे)की कीमत लगातार बढ़ रही हैं। चीन अमेरिका सहित दुनिया भर के देशों में तांबे की औद्योगिक मांग लगातार बढ़ रही है। लंदन मेटल एक्सचेंज मैं कॉपर के भाव मार्च 2020 के बाद से सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। 2020 में कॉपर 967 प्रति किलो था। जो 2024 में बढ़कर 1110 रुपए प्रति किलो हो गया है। दुनिया के सभी देशों में कॉपर की मांग बढ़ने के कारण, कॉपर के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसका असर आने वाले दिनों में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की कीमतों पर पड़ेगा। कॉपर का सबसे ज्यादा उपयोग इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद में होता है। दाम बढ़ने से इलेक्ट्रॉनिक सामान के भी रेट बढ़ेंगे। कॉपर के दामों में लगभग 27 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। मेटल के दाम बढ़ने से भारतीय शेयर मार्केट की मेटल कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है।

सुजलोन को 402 मेगावाट पवन ऊर्जा का नया कॉन्ट्रैक्ट मिला

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन समूह को जुनिपर ग्रीन एनर्जी से 402 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए नए ठेके मिले हैं। सुजलॉन समूह के वाइस चेयरमैन गिरीश तांती ने एक बयान में कहा, जुनिपर ग्रीन एनर्जी हमारी पुरानी ग्राहक है। हम उनके साथ फिर से साझेदारी करके खुश हैं। यह ठेका हमें राजस्थान में विस्तार करने में मदद करेगा। जुनिपर ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेश मनसुखानी ने कहा, सुजलॉन की बेजोड़ प्रौद्योगिकी और व्यापक ईपीसी क्षमताएं हमें लागत प्रभावी, भारत में निर्मित नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों के जरिए एक टिकाऊ भारत के निर्माण के हमारे दृष्टिकोण को पूरा करने में मदद करती हैं। कंपनी के एक बयान में कहा, राजस्थान के फतेहगढ़ में सुजलॉन प्रस्तावित साइट पर दोनों परियोजनाओं के लिए हाइब्रिड लैटिस ट्यूबलर (एचएलटी) टावर और तीन मेगावाट की रेटेड क्षमता के साथ कुल 134 पवन टरबाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) स्थापित करेंगे।

सेबी का नया नियम,
24 घंटे के अंदर खबर कंफर्म करें कंपनियां

नई दिल्ली ।
अफवाह फैलाना बुरी बात है, कई बार झूठी बातों से समाज और व्यक्ति का बहुत नुकसान होता है। एक गलत जानकारी तनाव व हिंसा की स्थिति बना सकती है। शेयर बाजार में भी कई बार अफवाह फैलने से आम निवेशकों को तगड़ा नुकसान होता है। अक्सर देखने में मिलाता हैं कि किसी कंपनी या शेयर के बारे में कोई पूर्वानुमान सामने आने से बाजार या स्टॉक में बड़ी गिरावट आने लगती है। इस मामले पर बाजार नियामक सेबी ने कड़ा रुख अपनाया है। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने स्टॉक मार्केट में अफवाहों की वजह से स्टॉक की कीमत पर होने वाले असर से निपटने के लिए 21 मई को नई गाइडलाइन जारी की है। इसके अनुसार, अगर किसी अनवेरिफाइड न्यूज या अफवाह की वजह से किसी स्टॉक में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है, तब 24 घंटे के अंदर कंपनी को खबर को कंफर्म करना होगा।

सेबी ने कहा कि कंपनी को लेकर किसी भी तरह की अफवाह सामने आने पर कंपनी को उस खबर पर तय समय अंदर अपनी स्थिति साफ करनी होगी। 24 घंटे के अंदर अफवाह की पुष्टि करने पर नियमों के तहत स्टॉक का 'अन इफेक्टेड प्राइस ' माना जाएगा। अन इफेक्टेड प्राइस ' किसी स्टॉक का वहां स्तर होगा जो उस खबर या अफवाह के ना होने पर रहता है। दरअसल विलय एवं अधिग्रहण सौदों को अटकलों से बचाने के लिए सेबी ने इसतरह के मामलों में लेनदेन के लिए शेयर का मूल्य स्तर तय करने के लिए यह गाइडलाइंस जारी की। यह नियम 1 जून से बाजार में लिस्टेड टॉप 100 कंपनियों पर और दिसंबर 2024 से अगली 150 संस्थाओं पर लागू होगा।

दरअसल किसी प्लेटफार्म के जरिए किसी कंपनी से जुड़ी कोई ऐसी खबर आती है, जिसके बाद उसके स्टॉक में तेजी से उतार-चढ़ाव देखने को मिलती है। हालांकि, बाद में कंपनियां उस खबर को खारिज कर देती हैं लेकिन तब तक आम निवेशकों को बड़ा नुकसान होता है। इसके बाद सेबी की यह गाइडलाइंस इन्वेस्टर्स के हितों की सुरक्षा करेगी।

सेबी की मंजूरी....जल्द आएगा इस कंपनी का आईपीओ

मुंबई ।
ट्रैवल बुकिंग मंच इक्सिगो का संचालन करने वाली ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड और स्टील वायर विनिर्माता बंसल वायर इंडस्ट्रीज को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के द्वारा धन जुटाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष फरवरी और मार्च मे दोनों कंपनियों ने आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे। उन्हें 14-17 मई को इसके लिए मंजूरी मिली। आईपीओ कागजात के अनुसार, गुरुग्राम स्थित ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी का प्रस्तावित आईपीओ 120 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 6.66 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन होगा। वहीं बंसल वायर इंडस्ट्रीज के आईपीओ में 745 करोड़ रुपये के ताजा शेयर शामिल होगा। इसमें कोई बिक्री पेशकश नहीं है। इसके अलावा सेबी ने 16 मई को बिना कोई कारण बताए वासुकी ग्लोबल इंडस्ट्रीज के आईपीओ दस्तावेज वापस कर दिए। कंपनी ने पिछले महीने दस्तावेज दाखिल किए थे।

अप्रैल में घरेलू हवाई यात्रा वृद्धि 13 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली।

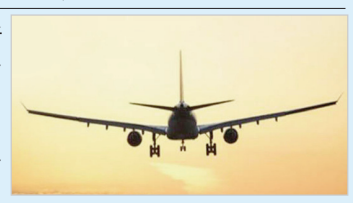

देश में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या अप्रैल में पिछले साल के मुकाबले 2.42 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 1.32 करोड़ हो गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यह कम से कम पिछले 13 महीने के दौरान घरेलू हवाई यात्री यातायात में सबसे धीमी सालाना वृद्धि है। इस सुस्त वृद्धि के लिए विमानन उद्योग को प्रभावित करने वाले कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने प्रैट ऐंड व्हिटनी (पीडब्ल्यू) इंजन के साथ दिक्कत की वजह से 70 से अधिक विमानों खड़ा कर दिया।डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार विमानन कंपनी ने अप्रैल में अपनी निर्धारित उड़ानों में से 2.4 प्रतिशत रद्द कर दी थीं जो सभी प्रमुख विमानन कंपनियों में सबसे ज्यादा दर रही। स्पाइसजेट ने अप्रैल में 61.7 लाख घरेलू यात्रियों को यात्रा कराई। पिछले महीने के मुकाबले इसमें 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई। एयर इंडिया अकेली ऐसी प्रमुख विमानन कंपनी रहीं जिसने अपने घरेलू यातायात में पिछले महीने की तुलना में वृद्धि देखी। टाटा समूह द्वारा संचालित इस विमानन कंपनी ने 1.88 करोड़ घरेलू यात्रियों को मंजिल तक पहुंचाया और इसमें पिछले महीने की तुलना में 7.61 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 267 , निफ्टी 68 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले मिश्रित रुख के बीच ही दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयरों में उछाल से भी बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 267.75 अंक करीब 0.36 फीसदी बढ़कर 74,221.06 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 68.75 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी ऊपर आकर 22,597.80 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले भारतीय बाजार में ये उछाल आया है।

वहीं कंपनियों की चौथी तिमाही के परिणाम और चुनाव को लेकर अनिश्चितता कम होने से भी निवेशकों में उत्साह है।'' आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर भारतीय स्टेट बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील तथा टाटा मोटर्स के शेयर गिरे हैं। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त पर रहा जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आया। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी गिरावट रही। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में तेजी रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,874.54 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे हैं। गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ है। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। आज सुबह बाजार के सभी प्रमुख इंडेक्स में हल्की तेज दर्ज की गयी। इस दौरान एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 83 अंक करीब 0.11 फीसदी ऊपर आकर 74,037 पर पहुंच गया जबकि दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 27 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी बढ़कर 22,556 पर कामकाज करता नजर आया। आज कारोबार के दौरान निफ्टी के अल्ट्राटेक सीमेंट, कोल इंडिया, एसबीआई, एलटीआईमाइंडट्री, डीआर रेड्डीज लैब्स, ओएनजीसी, एचयूएल और एनटीपीसी 1.6 फीसदी तक ऊपर आकर शीर्ष पर रहे।

वहीं सन फार्मा, जेएसडब्ल्यू स्टील, हीरो मोटो, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड के शेयरों में गिरावट आई। इस दौरान व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.36 फीसदी और 0.58 फीसदी अधिक कारोबार हुआ। निफ्टी रियल्टी में 1 फीसदी से अधिक की बढ़त रही। वहीं निफ्टी पीएस बैंक सबसे अधिक 0.3 फीसदी नीचे गिरा।

मंगलवार को हाई, बुधवार को धड़ाम......
इस शेयर को लेकर क्या कह रहे जानकार

मुंबई ।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स के शेयर (बीएचईएल) ने मंगलवार को बाजार में ऑल टाइम हाई बनाया था। परंतु बुधवार की सुबह खुलते ही यह शेयर 7 फीसदी तक लुढ़क गया। भेल का शेयर खुला ही गैपडाउन था। हालांकि कुछ ही देर बाद शेयर ने रिकवरी करना शुरू कर दिया। कंपनी ने मंगलवार को चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। रिजल्ट में कंपनी ने बताया कि इसके कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 25.6 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 658 करोड़ रुपये पर था, मगर इस बार 489.6 करोड़ रुपये रहा है। परिणामों की घोषणा के बाद ही आंशका थी कि शेयर में गिरावट आ सकती है और वह बुधवार को सही साबित हुई। 106,307 करोड़ मार्केट कैप वाली भेल का शेयर मंगलवार को बीएसई पर 319.20 रुपये के भाव पर बंद हुआ था, जबकि 322.35 का हाई लगाया था। इससे पहले 5 नवंबर 2007 को 316.30 रुपये का हाई लगाया था। इस हाई के बाद शेयर में काफी गिरावट आई और शेयर ने 23 मार्च 2020 (कोरोना काल) में 19 रुपये का लो बनाया था। मार्च 2020 के बाद अब तक मतलब 4 वर्षों में इस शेयर ने 1580 प्रतिशत का जबरदस्त रिटर्न दिया है। कंपनी ने जब 2007 में बनाया हाई तोड़ा, तब लोगों ने इस मल्टी-ईयर ब्रेकआउट माना। ब्रोकरेज का मानना है कि यह शेयर 400 रुपये के भाव को छू सकता है। इसकारण इस खरीदने की सलाह दी गई है। उसका मानना है कि अगले 1-2 सालों में थर्मल पावर सेक्टर में रैली आएगी तब यह स्टॉक बूम करेगा। इसके अलावा कंपनी के कई प्रोजेक्ट अभी पाइपलाइन में हैं और इसके प्रॉफिटेबल रहने की संभावना भी है।

बजाज प्लसर एफ-250 भारत में हुई लॉन्च

-249सीसी, सिंगल-सिलेंडर, ऑयल-कूल्ड इंजन भी

नई दिल्ली।

भारत में बजाज प्लसर एफ-250 लॉन्च हो गई है। इस बाइक की प्राइज 1.51 लाख रुपए एक्स-शोरूम रखी गई है, जो पुराने मॉडल की तुलना में कुछ ज्यादा है। 2024 मॉडल डीलरशिप के पास पहुंचना भी शुरू हो गया है। यह बाइक सुजुकी गिज्जर एसएफ-250 और यमाहा-आर15 वी4 को टक्कर देगी। 2024 बजाज प्लसर एफ-250 में 249सीसी, सिंगल-सिलेंडर, ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 24पीएचपी की पावर और 21.5एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसे 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ स्लिपरऔर असिस्ट क्लच से जोड़ा है। इस बाइक में नए काले रंग के साथ लाल और सफेद ग्राफिक्स में आकर्षक लग रहा हैं। इसके साथ ही नया एलईडी लाइटिंग सिस्टम, क्लिप-ऑन, साइड माउंटेड एग्जॉस्ट सिस्टम, बेली पैन, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और टर्न-बाई-टर्न नेविगेशन के साथ एक नया डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। इसके अलावा नई पल्सर में 3 एबीएस मोड- रेन, रोड और स्पोर्ट और एन250 की तरह एक ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम भी लगाया गया है।

किस्त नहीं चुकाने पर गोल्ड की होगी नीलामी

रिजर्व बैंक ने जारी किये नये दिशा निर्देश

नई दिल्ली।

रिजर्व बैंक ने एनबीएफसी कंपनियों को कर्ज और मूल्य के अनुपात में नीलामी प्रक्रिया और नगदी देने के नए मानकों का पालन करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। रिजर्व बैंक ने एनबीएफसी कंपनियों को अधिकतम 20000 रुपये का लोन देने के लिए अधिकृत किया है। सोने की वैल्यू का 75 फ़ीसदी ही लोन के रूप में दिया जा सकता है। रिजर्व बैंक, गोल्ड नियमों की समीक्षा भी कर रहा है। डिफॉल्ट होने की दशा में नीलामी से जुड़ी प्रक्रिया के बारे में जल्द ही रिजर्व बैंक नई दिशा निर्देश जारी करेगा।

रिजर्व बैंक के नए दिशा निर्देश से एनबीएफसी कंपनियां 20000 रुपये से अधिक का लोन नहीं दे पाएगी। इसके लिए कागजी कार्रवाई भी करनी होगी। लोन मिलने में कुछ समय भी लग सकता है। रिजर्व बैंक ने एनबीएफसी कंपनियों पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है। रिजर्व बैंक ने निर्देश जारी किया है। गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों को लोन की रकम चुकाने के लिए नोटिस जारी करें। लोन चुकाने के बाद नवीनीकरण के लिए लोन लेने वाले को बाध्य नहीं किया जाए। लोन के लिए बैंक द्वारा जो नियम बनाए गए हैं। उनका सख्ती से पालन करने का निर्देश एनबीएफसी कंपनियों को दिया है।

रिजर्व बैंक के नियम अनुसार अब 75 फ़ीसदी से ज्यादा गोल्ड की कीमत पर लोन नहीं दिया जा सकता है। गोल्ड लोन का कारोबार बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। लोन के नाम पर उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी की शिकायतें भी रिजर्व बैंक के पास पहुंची थी। जिस पर रिजर्व बैंक ने अब एनबीएफसी कंपनियों पर अपना शिकंजा कसा है।

हीरो इलेक्ट्रिक, बेनलिंग इंडिया सभी ई-वाहन प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ नहीं ले पाएंगे

नई दिल्ली।

भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली हीरो इलेक्ट्रिक और बेनलिंग इंडिया को भविष्य में किसी भी सरकारी प्रोत्साहन योजना में शिरकत करने से रोक दिया है। दोनों कंपनियों ने देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग और निर्माण में तेजी लाने की मंत्रालय की योजना के दूसरे चरण में दी गई सब्सिडी नहीं लौटाई है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय की जांच में पता लगा है कि दोनों कंपनियों ने चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम का उल्लंघन किया है। फेम योजना के अंतर्गत देश में मूल्य वर्द्धन के लिए पीएमपी दिशानिर्देशों का ढांचा तैयार किया गया है। इन छह कंपनियों में एमो मोबिलिटी, ग्रीव्स इलेक्ट्रिक और रिवॉल्ट इंटेलिकॉर्प ने सब्सिडी की रकम ब्याज के साथ लौटा दी। मगर हीरो इलेक्ट्रिक, ओकीनावा ऑटोटेक और बेनलिंग इंडिया ने सब्सिडी और प्रोत्साहन की रकम वापस नहीं की, जिस कारण पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में उनके नाम हटा दिए गए। भारी उद्योग मंत्रालय के मुताबिक फेम-2 में हीरो इलेक्ट्रिक ने 133 करोड़ रुपये, ओकीनावा ने 116 करोड़ रुपये और बेनलिंग ने 48 करोड़ रुपये सब्सिडी का दावा किया था। इस योजना के तहत कुछ चुनिंदा कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहन बेचने पर आने वाले खर्च की भरपाई सब्सिडी के जरिये की जाती है। मगर कंपनियों ने योजना के दिशानिर्देशों को ताक पर रखकर सब्सिडी की रकम ले ली, जिसे डीफॉल्ट माना गया।एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, 'हीरो इलेक्ट्रिक और बेनलिंग इंडिया दोनों को भारी उद्योग मंत्रालय की सभी योजनाओं से दो साल के लिए बाहर कर दिया गया है। दोनों के खिलाफ यह कदम सामान्य वित्तीय नियम 2017 के तहत उठाया गया है।' आधिकारिक अनुमानों के अनुसार सरकार सब्सिडी नहीं लौटाने वाली इन दोनों डीफॉल्टर कंपनियों से 200 करोड़ रुपये वापस मांग रही है। हीरो इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने इस पर कहा, 'चूंकि यह मामला अदालत में है, इसलिए हम इस पर कुछ नहीं कह सकते। ओकीनावा ऑटोटेक डीफॉल्ट करने वाली इकलौती कंपनी है, जिसका नाम नहीं काटा गया क्योंकि वह इस मसले पर दिल्ली उच्च न्यायालय पहुंच चुकी है।

भारत का बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर पर पहुंचा

- अमेरिका, चीन और जापान जैसे देशों में हुआ शामिल

नई दिल्ली। भारत का शेयर बाजार पूंजीकरण आज पांच लाख करोड़ डॉलर की ऊंचाई को छू गया है। भारतीय बाजारों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह महीने के भी अंदर बाजार पूंजीकरण में एक लाख करोड़ डॉलर जोड़े हैं। इस कामयाबी के साथ ही अमेरिका, चीन और जापान जैसे 5 लाख करोड़ डॉलर बाजार पूंजीकरण वाले दुनिया के दिग्गज बाजारों में अब भारत भी शामिल हो गया है। हालांकि बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर बंद भाव के मुताबिक भारत का बाजार पूंजीकरण 4.97 लाख करोड़ डॉलर यानी 414.6 लाख करोड़ रुपए रहा। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 4.93 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 411 लाख करोड़ रुपए हो गया।

एनएसई अपेक्षाकृत बड़ा एक्सचेंज है, मगर उस पर कुछ ही कंपनियां सूचीबद्ध हैं। भारत का बाजार पूंजीकरण मार्च 2023 के अपने निचले स्तर के मुकाबले 60 फीसदी से अधिक बढ़ चुका है जो अधिकतर प्रमुख बाजारों के मुकाबले अधिक है। स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों के बेहतर प्रदर्शन से बाजार पूंजीकरण को बल मिला। भारत का बाजार पूंजीकरण बनाम सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात बढ़कर 154 फीसदी हो गया। नवंबर 2023 में यह अनुपात 120 फीसदी था जब देश का बाजार पूंजीकरण पहली बाजर 4 लाख करोड़ डॉलर पर पहुंच गया था। भारत का बाजार पूंजीकरण जब 50 करोड़ डॉलर, एक लाख करोड़ डॉलर और दो लाख करोड़ डॉलर के स्तर पर पहुंचा था तो बाजार पूंजीकरण बनाम जीडीपी अनुपात 100 के दायरे में रहा जिसे उचित मूल्य समझा जाता है। हाल के वर्षों में सूचीबद्ध कई बड़ी कंपनियों ने भी भारत के बाजार पूंजीकरण को रफ्तार दी है। उदाहरण के लिए, भारतीय जीवन बीमा निगम करीब दो साल पहले सूचीबद्ध हुई थी और उसका बाजार बाजार पूंजीकरण अब करीब 78 अरब डॉलर है। इसके अलावा सभी सार्वजनिक उपक्रमों के बाजार पूंजीकरण में भी पिछले एक साल के दौरान जबरदस्त उछाल दर्ज की गई है। इसी प्रकार भारत की करीब 100 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण अब 10 अरब डॉलर से अधिक है जबकि कोविड महामारी से पहले यह आंकड़ा 30 कंपनियों का था।

एवरेस्ट और एमडीएच मसालों में नहीं मिला कैंसर वाला एथिलीन ऑक्साइड

नई दिल्ली।

एफएसएसएआई ने विवाद उठने के बाद जांच के लिए एवरेस्ट मसाले के दो मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 9 सैंपल, जबकि एमडीएच के 11 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 25 सैंपल लिए गए थे। दोनों कंपनियों की यूनिट से लिए गए कुल 34 सैंपलों में से 28 की रिपोर्ट आ गई है और सभी पूरी तरह से साफ निकले हैं। यही नहीं, दूसरे ब्रांड के मसालों के 300 सैंपल में से भी किसी में ईटीओ नहीं पाया गया है। इस मामले में विवाद के बाद 22 अप्रैल को देश के अलग-अलग हिस्सों में ये सैंपल लिए गए थे। फूड कमिश्नरों को सैंपल लेने के निर्देश दिए गए थे, जिनकी गहन जांच की गई। जांच में सभी भारतीय मसाले ईटीओ फ्री पाए गए हैं।बता दें कि लोकप्रिय मसाला ब्रांड एमडीएच और एवरेस्ट पर सिंगापुर और हांगकांग में सवाल उठने और उनमें कैंसर के लिए जिम्मेदार ईटीओ की मौजूदगी के बाद एफएसएसएआई ने मसालों के सैंपल लिए थे, जिनके परिणाम अब सामने आए हैं।

फूड रेगुलेटर एफएसएसएआई ने भारत के बाजारों से मसालों के सैंपल लेकर की गई जांच के बाद दावा किया है कि किसी भी सैंपल में कैंसर बढ़ाने वाला पदार्थ एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) मौजूद नहीं पाया गया। इन मसालों में एवरेस्ट और एमडीएच भी शामिल हैं, जिन पर हॉन्गकॉन्ग ने यह कहते हुए बैन लगा दिया था कि इनमें एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा मिली है, जो कैंसर का कारण बन सकता है। एफएसएसएआई ने बताया कि उसने 300 से अधिक सैंपल पूरे देश से कलेक्ट किए लेकिन उनमें से किसी में भी एथिलीन ऑक्साइड नहीं मिला है। गौरतलब है कि हांगकांग और सिंगापुर ने लोकप्रिय मसाला ब्रांड एमडीएच और एवरेस्ट के उत्पादों में कैंसरजनक रसायन ईटीओ की मौजूदगी पाए जाने के बाद अप्रैल में उनपर बैन लगा दिया था। ऐसा ही बैन नेपाल ने भी लगाया था और भारतीय मसालों को ही खरीदने से मना कर दिया था लेकिन अब सभी मसाले बेदाग निकले हैं। बता दें कि भारत ने साल 2023-24 में पूरी दुनिया के कुल मसालों का 12 प्रतिशत अकेले ही एक्सपोर्ट किया था, जिसकी कुल कीमत 4.25 अरब डॉलर थी। हालांकि इस विवाद के बाद मसालों की बिक्री में मामूली कमी आ सकती है।

वेस्टइंडीज में पिछले विश्वकप मुकाबलों में हार का सिलसिला इस बार तोड़ पायेगी टीम इंडिया ?

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट को जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है और ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा का लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीत दर्ज करना रहेगा। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें वेस्टइंडीज में भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है।

वेस्टइंडीज में अब तक दो विश्वकप हुए हैं और दोनों ही बार भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।

साल 2007 में एकदिवसीय विश्वकप और 2010 में टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। एकदिवसीय विश्वकप 2007 में तो भारतीय टीम ग्रुप स?टेज से ही बाहर हो गयी थी। वहीं 2010 के टी20 विश्वकप के सुपर 8 में उसे ऑस?ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका से मिली हार के बाद बाहर होना पड़ा था। ऐसे में प्रशंसकों के मन में आशंका है कि इस बार टीम कैसा प्रदर्शन करती है। कुछ प्रशंसकों का मानना है कि वेस्टइंडीज में विश्वकप भारतीय टीम के लिए अच्छे नहीं रहे है। वहीं कई प्रशंसकों का मानना है कि भारतीय टीम इस बार पुरानी धारणा को बदल देगी।

आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप 2007 में भारतीय टीम को अपने ग्रुप के तीन से से दो मैचों में हार मिली थी और टीम को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। आईसीसी टी20 विश्वकप 2010 के सुपर 8 में भारतीय टीम बाहर हो गयी थी। वेस्टइंडीज में हुए इस टी20 विश्वकप में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान को हराकर सुपर 8 में जगह बनाई थी पर सुपर 8 के तीनों मैचों में हार के साथ वह बाहर हो गई थी।

टूर्नामेंट में भारतीय टीम को पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका के साथ ग्रुप 'ए' में रखा गया है और इसे ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच अमेरिका में खेलने हैं। चारों ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो-दो टीमें सुपर 8 में स्थान बनाएंगी जिसके सारे मैच वेस्टइंडीज में होंगे। सुपर 8 के मुकाबलों से शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल में स्थान बनाएंगी। सेमीफाइनल से फाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों और फाइनल से विजेता का फैसला होगा। फाइनल 29 जून को ब्रिजटाउन में खेला जाएगा। इसमें 9 जून को भारत और पाकिस्तान के मैच पर दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी।

सचिन सर्जेराव ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में एशियाई रिकॉर्ड के साथ बरकरार रखा स्वर्ण पदक

कोबे (जापान) (एजेंसी)। भारत के सचिन सर्जेराव खिलाड़ी ने विव पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पुरूषों के शॉटपुट एफ46 वर्ग में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता और भारत ने टूर्नामेंट में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी कर दिखाया है। भारत के अब पांच स्वर्ण समेत 11 पदक है। इससे पहले भारत ने 2023 में पेरिस में तीन स्वर्ण समेत दस पदक जीते थे।

सचिन ने 10.30 मीटर का थ्रो फेंककर 16.21 मीटर का अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया जो उन्होंने पिछले साल पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में बनाया था। सचिन ने स्वर्ण जीतने के बाद कहा, 'मैं इसकी ही उम्मीद कर रहा था और मैं बहुत खुश हूं। मैं पेरिस पैरालम्पिक के लिये क्वालीफाई कर चुका हूं और वहां भी स्वर्ण जीतने की कोशिश करूंगा।'

अभी टूर्नामेंट के तीन दिन बाकी है और कोच सत्यनारायण को पदक संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें दो और स्वर्ण की उम्मीद है। पदकों की संख्या 17 तक जानी चाहिए।' इससे पहले कल पैरालम्पिक चैम्पियन सुमित अंतिल ने एफ64 भालाफेंक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा था। थंगावेलु मरियप्पन और एकता भयान ने भी स्वर्ण पदक जीते थे।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की सफलता की कुंजी होंगे बाबर आजम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जांचे और परखे बाबर आजम की टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान के कप्तान के रूप में वापसी पिछले 18 महीने में पाकिस्तान क्रिकेट में आए भारी बदलावों की अगली कड़ी है लेकिन यह चैम्पियन बल्लेबाज टीम की सफलता की कुंजी साबित हो सकता है। नवंबर 2022 में इंग्लैंड से टी20 विश्व कप फाइनल में बाबर की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम की हार के बाद से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में चार अध्यक्ष बदले, चयन समिति बदली गई और शाहीन शाह अफरीदी को कप्तान बनाने का प्रयोग सफल नहीं रहा। अब सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए टीम को गैरी कर्स्टन के रूप में नया कोच मिला है। पाकिस्तान ने एक से 29 जून तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अभी तक 15 सदस्यीय टीम का ऐलान नहीं किया है। भारत में पिछले साल 50 ओवरों के विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने के बाद बाबर ने जका अशरफ के पीसीबी प्रमुख रहते सभी प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। अब उन्हें नये अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने टी20 टीम की कमान फिर सौंपी है। हरफनमौला इमाद वसीम और तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला वापस ले लिया चूंकि कैरेबियाई प्रीमियर लीग में उनके अनुभव का फायदा टीम को वेस्टइंडीज में होगा। अप्रत्याशित प्रदर्शन करने में सक्षम पाकिस्तानी टीम का टी20 विश्व कप में अच्छा अतीत रहा है। यह तीन बार फाइनल में पहुंचा और 2009 में खिताब जीतने के अलावा तीन अन्य बार सेमीफाइनल तक पहुंचा है। कर्स्टन के गुरूमंत्र पर पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने अमल करना शुरू कर दिया है। अफरीदी ने पीसीबी के एक पॉडकास्ट में कहा, 'गैरी ने हमसे कहा है कि अपनी जर्सी के पीछे लिखे नाम के लिए नहीं बल्कि शर्ट के सामने लगे बैज के लिए खेलो। मैं इसे भूल नहीं पाऊंगा।' भारत और पाकिस्तान के बीच नौ जून को होने वाले मुकाबले पर सभी की नजरें हैं जो न्यूयॉर्क में 34000 की क्षमता वाले नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

विकेट लेकर ही आक्रामक बल्लेबाजी रोक सकते हैं गेंदबाज : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा है कि आज के दौर में जिस प्रकार आक्रामक बल्लेबाजी हो रही है उसे रोकने का एक ही तरीका विकेट लेना है। हरभजन ने ये बात आईपीएल में लगातार बन रहे बड़े स्कोर को लेकर कही है। इस सत्र में तीन बार 250 से अधिक रन तो सनराइजर्स हैदराबाद ने ही बना दिये। इसके अलावा अन्य कई टीमों ने भी बड़े स्कोर बनाये हैं। इस सत्र में कई बार टीमों ने आसानी से 200 से अधिक रन बनाये हैं। हरभजन ने कहा कि ऐसे में गेंदबाजों को जितनी तेजी से हो सके विकेट लेने होंगे। हरभजन ने कहा कि अगर कोई भी गेंदबाज कहता है कि वह रनों पर अंकुश लगा सकता है तो वह सही नहीं है। फिर चाहे वह लसिथ मलिंगा या जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज हो। विकेट लेने के लिए आपको अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। सबसे छोटे प्रारूप में विकेट

लेकर ही गेंदबाज रनों को रोक सकते हैं। यह कहा केवल कौशल के साथ ही आएगी। ऐसा नहीं है कि फुल टॉस गेंद से आपको एक बार विकेट मिल गया है तो आगे भी आप ऐसे ही करेंगे। साथ ही कहा कि इकोनॉमी रेट तभी सुधरेगा जब आप विकेट के लिए प्रयास करेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि यही मानसिकता गेंदबाजों में होनी चाहिए। इसलिए जब भी मैं कोई भी प्रारूप, टी20, टेस्ट या एकदिवसीय खेलता था, तो मैं विकेट लेने की कोशिश करता था। उस प्रक्रिया में भले ही आपकों कुछ रन देने पड़े पर उसमें भी हर्ज नहीं है।

वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने भी एकदिवसीय क्रिकेट में इस्तेमाल की जाने वाली दो नई गेंदों के मामले पर कहा कि ये नुकसानदेह है , इसकी जगह एक ही गेंद होनी चाहिये। साथ ही कहा कि कितने फिंगर स्पिनर एकदिवसीय क्रिकेट खेलते हैं। एक नाथन लियोन और एक आर. अश्विन हैं पर ये दोनों ही एकदिवसीय टीम में शामिल हिस्सा नहीं हैं। इसका एकमात्र कारण यह है कि फिंगर स्पिनर के लिए यहां कुछ भी नहीं है। गंभीर ने कहा कि रिवर्स स्विंग पूरी तरह से खेल से बाहर हो गई है। मैं चाहता हूं रिवर्स स्विंग दिखे। मैं बल्लेबाजों को चुनौती मिलते हुए देखना चाहता हूं।

आईपीएल को भारतीय टीम में पहुंचने का आसान रास्ता नहीं माने युवा : गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि युवा क्रिकेटर आईपीएल को भारतीय टीम में पहुंचने का आसान और छोटा रास्ता न समझें। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार युवा टेस्ट क्रिकेट की उपेक्षा कर रहे हैं। वह ठीक नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइटराइर्स के मैंटोर गंभीर ने एक कार्यक्रम में कहा कि आजकल काफी कम युवा भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं जो चिन्ता की बात है। मुझे उम्मीद है कि आईपीएल भारत के लिए खेलने का आसानी रास्ता साबित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आईपीएल से भारतीय क्रिकेटरों को लाभ हुआ है पर जब मैं अंतरराष्ट्रीय टी20 टीमों को देखता हूं तो दो-तीन टीमों के अलावा मुझे ज्यादा टक्कर देने वाली टीमें नहीं दिखती है। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने 2012 और 2014 में आईपीएल खिताब जीता है। इस क्रिकेटर ने कहा, 'बहुत सी टीमें भारत की मजबूती की बराबरी नहीं कर सकती हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि आज के समय आईपीएल अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट की तुलना में कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है। इससे हमारे घरेलू खिलाड़ियों का स्तर बढ़ा है। वे जिस तरह से आईपीएल खेलना चाहते है, जिस तरह से वे टी20 क्रिकेट को लेकर तैयारी करते है मुझे लगता है कि उनका ज्यादा ध्यान टी20 क्रिकेट खेलने पर है।' गंभीर ने 2011 एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनके भारतीय टीम के अगले कोच बनने की भी संभावनाएं जतायी गयी हैं।

भारतीय लड़कियों ने यूरोप दौरे का किया विजयी आगाज

ब्रेडा (नीदरलैंड) - हिना बानो और कनिका सिवाज के तेज तररक गोल की बदौलत भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने नीदरलैंड के ब्रेडा में नीदरलैंड के क्लब ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज करने के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर के जरिए मौके मिलने के बावजूद पहला क्वार्टर गोलरहित रहा। इसी तरह,

भारत दूसरे क्वार्टर में भी अपने तीन पेनल्टी कॉर्नर में से किसी को भी गोल में बदलने में असमर्थ रहा। आखिरकार तीसरे क्वार्टर में गतिरोध टूटा, जब भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर पर हिना बानो ने गोल किया जिससे स्कोर 1-0 हो गया। ब्रेडेज़ हॉकी वेरेनिगिंग पुश ने आक्रामक रूप से बराबरी का प्रयास किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद मेजबान टीम किसी को भी गोल में तब्दील नहीं कर सकी। चौथे और अंतिम क्वार्टर में कनिका सिवाच ने नेट पर गोल करके भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारतीय रक्षात्मक इकाई ने मैच के अंतिम कुछ मिनटों में अपनी क्लीन शीट बनाए रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया और जीत सुनिश्चित की। भारतीय जूनियर महिला टीम अपना अगला मैच 22 मई को नीदरलैंड के ब्रेडा में बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

ऋषभ पंत या संजू सैमसन, टी20 विश्व कप के लिए युवराज सिंह ने इस पर जताया भरोसा

मुंबई - युवराज सिंह ने टी20 विश्व कप 2024 में बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन के लिए अपनी प्राथमिकता पर कायम रहते हुए युवराज ने महत्वपूर्ण विकेटकीपर की भूमिका के लिए संजू सैमसन की तुलना में ऋषभ पंत को प्राथमिकता दी है। टी20 विश्व कप एक जून से वेस्टइंडीज और यूएसए में खेला जाएगा और भारत अपने अभियान की शुरूआत 5 जून से आयरलैंड के खिलाफ करेगा। दोनों विकेटकीपर बल्लेबाज इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। संजू सैमसन ने न केवल कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली है, बल्कि इस साल राजस्थान रॉयल्स के लिए बल्लेबाजी क्रम में भी अहम भूमिका निभाई है। वह इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में सातवें स्थान पर हैं। उन्होंने 14 मैचों में पांच अर्द्धशतकों के साथ 156.32 के शानदार स्ट्राइक रेट सहित 504 रन बनाए हैं, जबकि अपनी टीम को आठ जीत और प्लेऑफ में जगह दिलाई है। दूसरी ओर ऋषभ पंत ने एक घातक कार दुर्घटना से उबरने के बाद शानदार वापसी की जिसने उन्हें 14 महीने तक मैदान से दूर रखा। सीजन की शांत शुरुआत के बावजूद 26 वर्षीय खिलाड़ी ने तेजी से वापसी की और 13 मैचों में 155.40 के स्ट्राइक रेट से 446 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। युवराज ने कहा, 'मैं ऋषभ को चुनूंगा। जाहिर है संजू भी शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन ऋषभ बाएं हाथ के हैं और मेरा मानना ??है कि ऋषभ में भारत के लिए मैच जीतने की अपार क्षमता है, जो उन्होंने अतीत में किया है।' उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में बहुत कुछ है और मुझे लगता है कि वह बड़े मंच पर मैच विजेता हो सकता है।'

गेंदबाजों के बाद कोरी और हरमीत की तूफानी बल्लेबाजी, अमेरिका ने टी20 मैच में बंगलादेश को हराया

ह्यूस्टन (एजेंसी)। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कोरी एंडरसन (34) और हरमीत सिंह (33) की नाबाद तूफानी बल्लेबाजी के दम पर अमेरिका ने टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को पांच विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है।

टी-20 विश्वकप से पहले अमेरिकी टीम को मंगलवार देर रात तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में ऐतिहासिक जीत मिली है। अमेरिका की जीत के हीरो हरमीत सिंह ने 13 गेंदों पर 33 रनों की विस्फोटक पारी खेली। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में ही कप्तान मोनंक पटेल (12) का विकेट रनआउट के रूप में गवां दिया। उसके बाद नौवें ओवर में ऐंड्रियस गौस 18 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। 12वें ओवर में स्टीवन टेलर (20) रन बना कर आउट

हुए।

ऐरन जोंस (4) और नीतिश कुमार (10) रन बनाकर आउट हुए। 94के स्कोर पर पांच विकेट गवांने के बाद संकट में फंसी अमेरिका की टीम को कोरी एंडरसन और हरमीत सिंह ने संभाला। एंडरसन ने 25 गेंदों में नाबाद (34) और हरमती ने 13 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (33) रनों की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 156 रन बनाकर अपनी टीम को पांच विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी। बंगलादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान ने दो विकेट लिए। शोरिफुल इस्लाम और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेरिका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की लिटन कुमार दास और सौम्य सरकार की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 34 रन जोड़े। पांचवें ओवर में जसदीप ने लिटन को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। छठें ओवर में सौम्य सरकार भी चलते बने। उन्हें स्टीवन टेलर ने आउट किया। तौहिद ह्रिदोय की ने 47 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (58) रनों की पारी खेली।

महमुदुल्लाह ने (31), सौम्य सरकार (20) लिटन दास ने (14) रन बनाकर आउट हुए। अमेरिका के लिए स्टीवन टेलर ने दो विकेट चटकाए। वहीं सौरभ, अली और जेस्सी को एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। दोनों टीमों के बीच श्रृंखला का दूसरा मैच गुरुवार को ह्यूस्टन में खेला जाएगा।

उभरती निशानेबाज है दिव्यांशी

गाज़ियाबाद । उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की दिव्यांशी भारद्वाज ने निशानेबाजी में अहम उपलब्धि हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतने वाली दिव्यांशी अब सितंबर में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होंगी। दिव्यांशी ने अपने स्कूल में 7वीं कक्षा में पहुंचने के बाद निशानेबाजी में भाग लेना शुरु किया था। इसके बाद दिव्यांशी ने स्कूल स्तर पर जीत हासिल की और लगातार आगे बढ़ने लगीं। फरवरी में स्पेन उसने स्वर्ण पदक जीता। इस खिलाड़ी को साल 2018 में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिला। 2019 में वह निशानेबाजी में भाग लेने ताइवान गयी थीं। दिव्यांशी के अनुसार उनके मन में निशानेबाजी के लिए शुरु से उत्साह था। उन्होंने सभी चीजों के लिए समय तय कर रखा था। जिसमे ट्रेनिंग, घर वालों के लिए और अपनी पर्सनल फिटनेस के लिए अलग समय रखा था। अब वह ओलंपिक की तैयारियों में लगी हैं।

जब शाहरुख ने आकाश चोपड़ा से माफी मांगी

अहमदाबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जिस प्रकार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने क्वालीफायर में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को एकतरफा अंदाज में हराया है। उससे केकेआर के मालिक शाहरुख खान भी बेहद उत्साहित हैं। इस मैच को देखने के लिए शाहरुख विशेष रुप से पहुंचे थे। इस मैच में जीत के साथ ही केकेआर ने आईपीएल 2024 के फाइनल में जगह बनाई। लीग स्तर पर शीर्ष पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची शाहरुख की टीम ने क्वालीफायर में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया। टीम को मिली जीत के बाद शाहरुख मैदान पर पहुंचे। उन्होंने हर किसी का अभिवादन किया और सबसे जाकर मुलाकात भी की। तब मैदान पर कमेंट्री टीम के सदस्य आकाश चोपड़ा को देखे बिना वो थोड़ा आगे निकल गए तो फिर से पीछे मुड़कर उनसे बात की। उन्होंने आकाश से झुककर हाथ जोड़ माफी भी मांगी। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख द्वारा किए गए इस तरह से व्यवहार से आकाश भावुक हो गये। साथ ही कहा कि आपने मेरा दिन बना दिया. आप शो के बीच में नहीं आए बल्कि आप ही हमारे शो स्टॉपर हैं। शाहरुख ने इसके बाद वहां खड़े सुरेश रैना को भी गले लगाया।

तेलंगाना के मजदूर की बेटी ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड, पैरा एथलेटिक्स में हासिल किया पहला मुकाम

नेशनल डेस्क । एक प्रेरणादायक उपलब्धि में, तेलंगाना के वारंगल के दिहाड़ी मजदूरों की बेटी दीप्ति जीवनजी ने जापान में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर टी20 वर्ग दौड़ में 55.07 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। दीप्ति ने 2023 में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में अमेरिका की ब्रेन्ना क्लार्क द्वारा बनाए गए 55.12 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 20 वर्षीया की उपलब्धि असाधारण है, क्योंकि एक वंचित परिवार से आते हुए, उसने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी। अभी कुछ साल पहले, जीवनजी प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद जाने के लिए बस का टिकट भी नहीं खरीद सकते थे। दीप्ति जीवनजी ने दौड़ की मजबूत शुरुआत की और पहले 200 मीटर में आगे रहीं। हालांकि क्लार्क अंत तक पहुंच गए, लेकिन दीप्ति ने आखिरी पांच मीटर में जीत हासिल करने के लिए अंतिम धक्का लगाया। तुर्की की आयसेल ओन्दर 55.19 सेकंड के साथ दूसरे और इक्वाडोर की लिजानशेला एंगुलो 56.68 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। टी20 वर्गीकरण बौद्धिक रूप से अक्षम एथलीटों के लिए है। दीप्ति की एथलेटिक यात्रा को कोच पुलेला गोपीचंद द्वारा संचालित एक एथलेटिक्स प्रतिभा खोज कार्यक्रम, गोपीचंद-माइत्रा फाउंडेशन द्वारा भी समर्थन दिया गया था। पिछले कुछ सालों में उन्होंने कई राष्ट्रीय स्तर के पदक जीते हैं।

मुरलीधरन ने भारतीय स्पिनरों के तरीके पर चिन्ता जतायी

चेन्नई । श्रीलंका के दिग्गज स्पिन रहे मुथैया मुरलीधरन ने भारतीय स्पिनरों के तरीके पर चिन्ता जतायी है। मुरलीधरन के अनुसार आजकल ये स्पिनर छोटे

प्रारुप में तेज गेंद फेंक रहे हैं। उनके अनुसार नये स्पिनर बड़े शॉट को रोकने के प्रयास में स्पिन की जगह गेंद को तेजी से फेंक रहे हैं जो उनके लिए नुकसानदेह है। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के सलाहकार की भूमिका निभा रहे मुरलीधरन ने कहा, ' आजकल अधिकतर भारतीय स्पिनर गेंद को स्पिन नहीं कर रहे हैं बल्कि वे थोड़ी तेज गेंदबाजी कर रहे हैं जबकि उन्हें समझना चाहिये कि गेंद अगर स्पिन नहीं होगी तो बल्लेबाज को आउट करना कठिन होगा। उन्होंने कहा, ''बल्लेबाज जब नेट सत्र में अभ्यास करते है तो थ्रो डाउन पर गेंद सीधी आती है, ऐसे में बल्लेबाज पहले से तय मानसिकता के साथ खेलते हैं, वहीं जब गेंद टर्न लेती है तब अचानक ही उसका सामना करने में बल्लेबाज को परेशानी आती है , इससे विकेट मिलने के अवसर बढ़ जाते हैं। इसलिए बेहतर अवसरों के लिए स्पिनरों को गेंद को टर्न करना चाहिये।

कार्लसन से उनके देश में खेलना मेरे लिये चुनौती नहीं : प्रज्ञानानंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई बार मैग्नस कार्लसन को पराजित करने के बाद युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को लगता है कि जब वह 27 मई से यहां शुरू हो रहे नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में कई दफा के विश्व चैम्पियन से उनके ही देश में भिड़ेंगे तो उन पर कोई दबाव नहीं होगा।

प्रज्ञानानंदा ने अंतिम बार 33 साल के कार्लसन को इस महीने के शुरु में वारसॉ में ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में मात दी थी। प्रज्ञानानंदा के साथ उनकी बहन आर वैशाली भी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। वैशाली पहली बार नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में खेलेंगी। प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैग्नस से उनके देश में खेलना मेरे लिए कोई चुनौती है। वैसे यह देश में खेलने वाले खिलाड़ी के लिए मायने रखता है लेकिन मेरे लिए नहीं।''

इस 11 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में घरेलू दावेदार कार्लसन के अलावा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन और हिकारू नाकामुरा जैसे खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। पिछले साल फिडे विश्व कप में कार्लसन से अपनी प्रतिद्वंद्विता के बारे में भारतीय ग्रैंडमास्टर ने कहा कि यहां का अनुभव उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं में मदद करेगा। नॉर्वे शतरंज की एक विज्ञप्ति में प्रज्ञानंदा ने कहा, ''मुझे हमेशा अच्छी चुनौती में मजा आता है। पिछले साल विश्व कप के बाद यह मेरा उनके साथ पहला क्लासिकल मुकाबला होगा। मैं उनके साथ खेलने के लिए काफी उत्साहित हूं और अन्य के खिलाफ खेलने के लिए भी बेताब हूं। इसमें कोई शक नहीं कि यहां का अनुभव मुझे भविष्य के टूर्नामेंट में मदद करेगा।

18 साल के इस खिलाड़ी ने कहा, ''मैं नॉर्वे शतरंज में खेलने को लेकर काफी उत्साहित हूं। काफी मजबूत दावेदार टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। अभी तक मैं जितने भी टूर्नामेंट खेला हूं, उसमें मुझे यह शायद सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी लग रहे हैं। मेरे लिए यह अच्छा मौका है और मैं चुनौती देकर अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहूंगा। '' उन्होंने कहा, ''इस साल का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। नॉर्वे शतरंज के बाद मैं शतरंज ओलंपियाड के लिए बुडापेस्ट जाऊंगा। मैं इस साल के अंत में ग्लोबल शतरंज लीग में भी खेलूंगा। इस तरह की रोमांचक लीग होना वास्तव में अच्छा है जिससे इस खेल को आगे बढ़ने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी। ''

उन्होंने कहा, ''अभी मेरा फोकस नॉर्वे शतरंज पर है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार हूं। '' प्रज्ञानानंदा ने कहा कि वह महिला वर्ग में अपनी

बहन वैशाली की प्रगति पर भी नजर रखेंगे। उन्होंने कहा, ''नॉर्वे शतरंज में महिला टूर्नामेंट शुरू होना अच्छा है। यह अच्छी पहल है क्योंकि महिलाओं के लिए ज्यादा टूर्नामेंट नहीं है। इससे अन्य आयोजकों को भी महिलाओं के टूर्नामेंट आयोजित करने का प्रोत्साहन मिलेगा। मेरी बहन भी इसमें खेलेगी। मैं अपनी बहन के प्रदर्शन पर नजर रखूंगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तनाव से मुक्ति के लिए जरूर जाएं शत्रुंजय की पहाड़ी

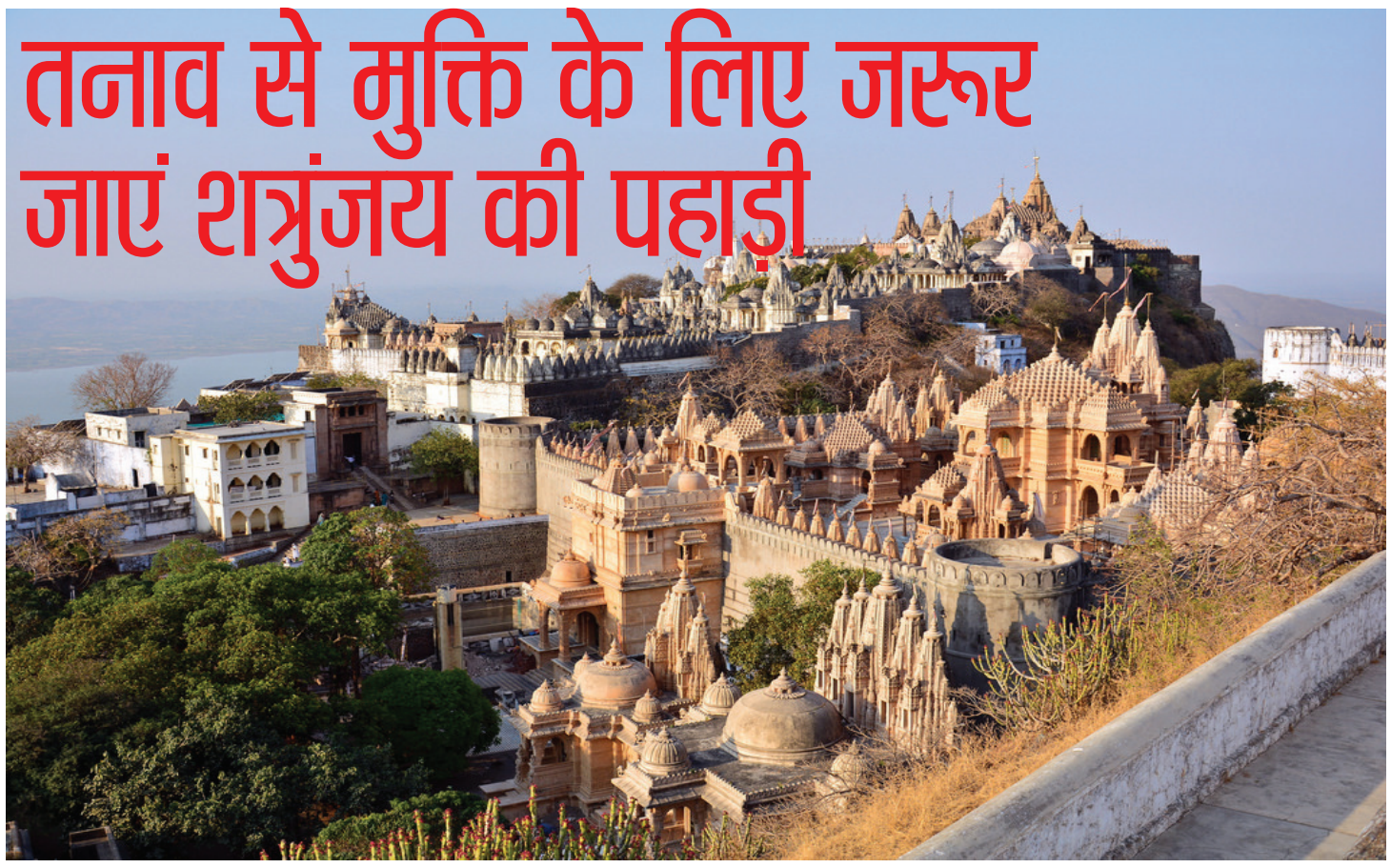

आजकल की भागदौड़ भरी इस जिंदगी में हर इंसान कहीं न कहीं तनाव से घिरा हुआ है। कभी-कभी काम की चिंता के कारण या फिर जीवन की समस्याओं के कारण हम हमेशा तनाव में रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तनाव का हमारे दिलोदिमाग़ पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इसलिए हमें अपने लिए थोड़ा समय घूमने फिरने के लिए अवश्य निकालना चाहिए और ऐसी जगहों पर जाना चाहिए जहाँ हमारा तनाव कम हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि तनाव से बचने के लिए ध्यान, योग, जीवन शैली में सुधार और मानसिक शांति के लिए आप कहीं अच्छी रमणीक जगह पर घूमने जा सकते हैं। ऐसे में अगर आप कहीं जाने की योजना बना रहे हैं तो हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहाँ आप शांति पा सकते हैं और वो जगह है शत्रुंजय की पहाड़ी। तो आइए जानते हैं इस जगह के बारे में।

शत्रुंजय की पहाड़ी के बारे में

दरअसल, शत्रुंजय का शाब्दिक अर्थ है जीत। शत्रुंजय पहाड़ी शांति और आध्यात्मिकता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। हर साल बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं और शांति के पल बिताते हैं। शत्रुंजय पहाड़ी गुजरात के ऐतिहासिक शहर पालिताना के पास स्थित है। हालाँकि, इस शहर के पास पाँच पहाड़ियाँ हैं, लेकिन शत्रुंजय पहाड़ी को सबसे पवित्र पहाड़ी माना जाता है। यह पहाड़ी समुद्र तल से 164 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस पहाड़ी पर सैकड़ों जैन मंदिर हैं। वे सभी शतरुंजी नदी के तट पर स्थित हैं। शत्रुंजय हिल को 'आंतरिक शत्रुओं पर विजय का स्थान' के रूप में भी जाना जाता है।

आपको जानकर शायद आश्चर्य होगा कि इस पहाड़ी तक पहुंचने के लिए आपको 375 पत्थर की सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। इन सीढ़ियों पर चढ़ते समय आप प्रकृति के अद्भुत दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। आप इस शांतिपूर्ण जगह में रहने का एक वास्तविक सुखद एहसास प्राप्त कर सकते हैं। शहरों की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर, आप यहां पर केवल शांति के पल बिता सकते हैं। यहां समय बिताने से आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही यह कई तरह के तनाव से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

शत्रुंजय पहाड़ी पर स्थित मंदिरों के निर्माण के बारे में कहा जाता है कि इनका निर्माण 900 साल पहले हुआ था। हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन बड़ी संख्या में लोग इस पहाड़ी पर पहुंचते हैं। ऐसा माना जाता है कि जैन धर्म के संस्थापक आदिनाथ, जिन्हे ऋषभ के नाम से भी जाना जाता है, ने इस शिखर पर स्थित रियान वृक्ष के नीचे कठिन तपस्या की थी। उसी स्थान पर आदिनाथ का मंदिर भी आज मौजूद है। इतना ही नहीं, बल्कि मुस्लिम संत अंगार पीर का स्थान भी मंदिर के परिसर में ही स्थित है।

कहा जाता है कि उन्होंने मुगलों से इस शत्रुंजय पहाड़ी की रक्षा की थी। इसलिए, उनके साथ अंगार पीर को मानने वाले मुस्लिम लोग भी शत्रुंजय पहाड़ी पर आते हैं और उनकी कब्र पर नमाज अदा करते हैं। कहा जाता है कि यहां आकर जो कोई भी कोई मुराद मांगता है तो निश्चय ही उनकी मन की इच्छाएं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हर साल लोग अपने परिवार, अपने दोस्तों और अपने सहयोगियों के साथ यहां पहुंचते हैं। तो आप भी एक बार यहां जरूर जा सकते हैं।

शत्रुंजय हिल कैसे पहुचें?

- हवाईजहाज से: पालिताना शहर, जहाँ पर शत्रुंजय हिल स्थित है, भावनगर एयरपोर्ट से 56 किलोमीटर दूर स्थित है। भावनगर से पालिताना जाने के लिए कोई भी निजी वाहन लिया जा सकता है।
- रेल द्वारा: पालिताना ट्रेन द्वारा भावनगर और अहमदाबाद से पहुंचा जा सकता है।
- सड़क द्वारा: पालीताना, जो भावनगर से 56 किलोमीटर दूर और अहमदाबाद से 215 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, सड़क मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

शत्रुंजय हिल की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है

अक्टूबर से मार्च के महीनों के बीच शत्रुंजय हिल की यात्रा करने का सबसे अच्छा समय होता है। नवंबर से फरवरी पीक सीजन होता है। शत्रुंजय हिल मानसून के मौसम के दौरान बंद रहता है।

पलिताना में घूमने के लिए प्रमुख पर्यटक स्थल

पालिताना गुजरात के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक है। यदि आप उन लोगों में से हैं जो धर्म में दृढ़ता से विश्वास रखते हैं तो यह आपके लिए यह एक उपयुक्त जगह है। पालिताना में घूमने के लिए कुछ बेहतरीन स्थानों की सूची यहाँ दी जा रही है।

- हस्तगिरी जैन तीर्थ
- शत्रुंजय हिल्स
- श्री विशाल जैन संग्रहालय
- तलजा टाउन
- गोपनाथ बीच

यदि आप शत्रुंजय हिल की यात्रा करने के इच्छुक हैं, तो आप गुजरात के यात्रा कार्यक्रम पर भी एक नज़र डाल सकते हैं और एक या दो दिन के लिए भावनगर से शत्रुंजय हिल को कवर कर सकते हैं।

रामायण तो अधिकतर लोगों ने देखी-पढ़ी या सुनी है। भगवान श्री राम और सीता के दो सुपुत्र लव और कुश के बारे में भी हर कोई जानता है। अगर आपने रामायण देखी होगी तो आपको यह पता होगा कि जब भगवान राम ने सीता का त्याग किया था, उस समय वह गर्भवती थी। बाद में ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में उन्होंने शरण ली थी और वहीं पर लव-कुश का जन्म हुआ था। लेकिन क्या आपको यह पता है कि ऋषि वाल्मीकि का यह आश्रम कहां पर था और अब वर्तमान में यह स्थान कहां स्थित है। शायद नहीं। तो चलिए आज हम आपको उस स्थान के बारे में बता रहे हैं-

जानिए उस जगह के बारे में, जहां हुआ था लव-कुश का जन्म

यूपी में है यह स्थान

आपको शायद पता ना हो लेकिन ऋषि वाल्मीकि का आश्रम वर्तमान युग के अनुसार उत्तरप्रदेश में स्थित था। यह आश्रम कानपुर शहर से करीबन 17 किलोमीटर दूर बिठूर गांव में स्थित है। बिठूर गंगा के दाहिने किनारे पर स्थित है, और हिंदू तीर्थयात्रा का एक केंद्र है। ऐसा कहा जाता है कि यह वहीं आश्रम है, जहां पर बैठकर ऋषि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। बिठूर भले ही एक छोटा सा गांव है, लेकिन लव-कुश का जन्म स्थान माना जाने वाला यह स्थान स्थानीय लोगों के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण है। साथ ही यहां पर आने वाला हर व्यक्ति इस जगह का दर्शन अवश्य करता है।

स्थित है वाल्मीकि आश्रम

बिठूर में आज भी वाल्मीकि आश्रम के निशान देखे जा सकते हैं। यह हिन्दू धर्म और पौराणिक कथाओं के अनुसार एक बेहद ही महत्वपूर्ण स्थान है, यहां पर माता सीता के अपने जीवन का एक लम्बा समय व्यतीत किया। इसके अलावा, यह लव-कुश की जन्मस्थली है और यहीं पर रामायण भी लिखी गई। साथ ही लव-कुश ने इसी स्थान पर ऋषि वाल्मीकि से शिक्षा भी प्राप्त की थी। इसके अलावा यहां पर राम जानकी मंदिर व लव-कुश मंदिर भी है।

यहीं पकड़ा था अश्वमेघ यज्ञ का अश्व

भगवान राम के अश्वमेघ यज्ञ के अश्व को भी लव-कुश ने बिठूर में ही पकड़ा था। वाल्मीकि जी की रामायण में भी इसका उल्लेख मिलता है। बाद में जब राम भक्त हनुमान यहां अश्व को छुड़ाने के लिए आये थे, तो वे भी लव-कुश से परास्त हो गए थे और लव-कुश ने उन्हें बंधक बना लिया था। इस गांव में आज भी उस स्थान को देखा जा सकता है, जहां पर लव-कुश ने हनुमान जी को कैद किया था।

बेबीमून को यादगार बनाने के लिए भारत में यह 5 जगह हैं सबसे बेस्ट!

आजकल ज्यादातर लोग अपने हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े पलों को यादगार बनाना चाहते हैं। इसलिए अपने हर पलों को अच्छे से मनाना चाहते हैं। फिर चाहे शादी की सालगिरह हो या फिर बर्थडे। हालांकि, मैरीज लाइफ में इसके अलावा भी कई और खास चीजें होती हैं इन्हीं में से एक बेबीमून आज के दौर में काफी चर्चित हे। ये एक तरह से हनीमून के जैसे ही होता है फर्क इतना होता है कि पति अपनी गर्भवती पत्नी के साथ कहीं बाहर घूमन जाते है। इस तरह से वो अपने घर में आने वाले नए सदस्य की शुरुआत करते हैं।

वहीं, अगर आप भी बेबीमून का प्लान बना रहे हैं, लेकिन आपको कोई ढंग की सूझ नहीं रही है तो ऐसे में आज हम आपको जिन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं वो आपके इस प्लान को पूर कर सकते हैं। आइए आपको उन जगहों के बारे में बताते हैं जो बेबीमून के लिए बेहतरीन रहेगीं...

पुडुचेरी

बेमीमून के लिए पुडुचेरी भी एक अच्छी जगह है। यहां की खूबसूरती देखकर आप तनाव मुक्त रहेंगे। साथ ही आपका और आपके पार्टनर का मूड भी काफी अच्छा बना रह सकता है। यहां आप तरह-तरह के स्वादिष्ट भोजन और नए स्वाद लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा यहां से सनसेट का दृश्य देखकर आपको काफी अच्छा महसूस हो सकता है। यहां पर कई ऐसी जगह हैं जहां आप घूम सकते हैं। यहां बेबीमून के लिए हर वर्ष काफी संख्या में कपल्स आते हैं।

लैंसडाउन

उत्तराखंड अपनी प्रकृतिक खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां स्थित लैंसडाउन बेबीमून के लिए काफी अच्छी जगह मानी जाती है। यहां आप झील, पहाड़, नदी, झरने समेत कई सुंदर नजारे देख सकते हैं। लैंसडाउन अपनी खूबसूरती के साथ-साथ शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। भारतीय जवानों की छावनी होने के कारण ये जगह सुरक्षित भी मानी जाती है।

नैनीताल

नैनीताल की सुंदरता से आपका मन बेहद खुश हो सकता है। ये जगह बेबीमून के लिए बेस्ट मानी जाती है। यहां आप नैनी झील, टिफिन टॉप, नैनी पार्क जैसी कई अन्य जगह देख सकते हैं। यहां आप बोटिंग भी कर सकते हैं। इसके जरिए प्रकृतिक सुंदरता और शांति का भी लुत्फ उठा सकेंगे। अगर आप शांत वातावरण की तलाश कर रहे हैं तो नैनीताल एक बेस्ट ऑप्शन है। यहां पहुंचने के लिए आप रोड या हवाई मार्ग से भी जा सकते हैं। हवाई मार्ग से जाने पर आपको देहरादून जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचकर सड़क मार्ग के जरिए नैनीताल पहुंचना होगा।

उदयपुर

बेबीमून के लिए उदयपुर एक अच्छी जगह है। यहां हर साल कई लोग घूमने के लिए आते हैं। यहां राजा-महाराजाओं के महल, किले और झीलों का आनंद लिया जा सकता है। बेबीमून के लिए ये जगह काफी शांत है, यहां आप तनाव से दूर और खुशी मन के साथ अच्छे पल बिता सकेंगे।

महाबलेश्वर

बेबीमून के लिए आप महाबलेश्वर भी जा सकते हैं। यहां की खूबसूरती देखकर आपका दिल बाग-बाग हो सकता है। प्रकृति की गोद में बसे इस शहर में हर वर्ष कई सैलानी घूमने आया करते हैं। यहां आप सुंदर दृश्य और वाटरफॉल्स का आनंद ले सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्लास्टिक सर्जरी के दौरान हुई युवक की मौत.... सीसीटीवी में दिखा भयावक सच

सियोल। सुंदर दिखाने के लिए लोग क्या क्या नहीं करते हैं। प्लास्टिक सर्जरी इसका बढ़ता विकल्प बनता जा रहा है। कई बार प्लास्टिक सर्जरी में भी उल्टे ही नतीजे मिलते हैं। लेकिन एक शख्स के साथ कुछ ज्यादा ही बुरा हो गया। उसकी प्लास्टिक सर्जरी के बाद दुखद मृत्यु हो गई। लेकिन सीसीटीवी से भयानक सच बाहर आया, जिससे साफ हुआ कि वह वास्तव में एक घोस्ट डॉक्टर घोटाले का शिकार हुआ था। दक्षिण कोरिया के 24 वर्षीय क्वोन ने अपनी ठुड्डी को आकार देने की सर्जिकल प्रक्रिया के लिए करीब 4 लाख रुपयों का भुगतान किया। स्टेफनी सू ने बताया कि क्वोन को ब्रेन-डेड घोषित करने के बाद, अस्पताल के अधिकारियों ने उसके भाई, क्वोन ताए-हून को फोन कर उसकी मौत के बारे में नहीं बताया। क्वोन की मां की शिकायत के जवाब में प्लास्टिक सर्जन ने ऑपरेशन की सीसीटीवी फुटेज सौंपने की पेशकश की थी। फुटेज से पता चला कि जिस शीर्ष प्लास्टिक सर्जन पर क्वोन ने अपने चेहरे को फिर से तैयार करने का भरोसा किया था, वह प्रक्रिया के लगभग 60 मिनट बाद ही ऑपरेशन थिएटर से चला गया। फिर एक दूसरे डॉक्टर को ऑपरेशन पूरा करने के लिए छोड़ दिया गया था, जिसके पास प्लास्टिक सर्जरी का लाइसेंस नहीं था। स्टेफनी ने बताया कि घोस्ट डॉक्टर आमतौर पर प्लास्टिक सर्जरी में कार्यरत होते हैं। जब मरीज को ऑपरेशन टेबल पर रखा जाता है, तब वे प्रक्रिया शुरू कर चले जाते हैं और एक घोस्ट डॉक्टर अंदर आकर ज्यादातर काम कर देता है। प्रमुख सर्जन बहुत ही कम समय तक मरीज के पास रहते हैं। जब सब हो जाता है, तब घोस्ट डॉक्टर उस भूत की तरह खत्म हो जाते हैं, जो कभी अस्तित्व में ही नहीं था। उनका कोई भी रिकॉर्ड में नहीं रखा जाता। किसी ने क्वोन की बिगड़ी हालत और बहते हुए खून पर ध्यान नहीं दिया। जब की सहायक डॉक्टरों से लेकर नर्सों सभी की लापरवाही सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रही थी। 2019 में, क्वोन के परिवार को क्लिनिक के खिलाफ हर्जाने में 2 करोड़ 80 लाख रुपयों से अधिक की रकम दी गई।

9 साल की उम्र में जिस शख्स की शादी में शामिल हुई फिर बनी उसकी ही तीसरी पत्नी

जकार्ता। आपने कई ऐसी जोड़ियां देखी और सुनी होंगी, जिनमें उम्र का फासला इतना होता है कि सुनने वाले चौंक जाएं। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर के बारे में कहा जाता है कि वे अपने पति सैफ अली खान की पहली शादी के समय महज 11 साल की थीं और उन्होंने शादी को अटेंड भी किया था। आज हम आपको एक और रोचक खबर सुनाएंगे जो इंडोनेशिया से आई है। हालांकि इसके पीछे का वाक्या और भी ज्यादा दिलचस्प है। शादी के समय दूल्हा और दुल्हन की उम्र के बीच का फासला मायने रखता है लेकिन कुछ जोड़ियां ऐसी हैं, जो बिल्कुल ही बेमेल होती हैं। एक ऐसी ही कहानी इंडोनेशिया से सामने आई है। यहां एक शादीशुदा जोड़े की उम्र में 38 साल का फासला है। इतना ही नहीं ये 62 साल के शख्स की तीसरी शादी है और लड़की सिर्फ 24 साल की है। इंडोनेशिया के बांका आइलैंड में रहने वाली रेनाता फदेइया की उम्र 24 साल है और उन्होंने खुद से 38 साल बड़े शख्स से शादी की है। रेनाता ने बताया कि उन्हें हाल ही में पता चला कि वे अपने पति की दूसरी शादी में बतौर मेहमान आई थीं। ये बात 2009 की है, जब उनकी उम्र महज 9 साल थी, जबकि उनके पति दूसरी शादी कर रहे थे। महिला ने बताया कि वे अपने दूर के रिश्तेदार लगने वाले शख्स की शादी में आई थीं, हालांकि बाद वे उन्हीं की तीसरी पत्नी बनीं। रेनाता उस शादी में शख्स से मिलने के बाद चली आईं, फिर साल 2019 में उनकी मुलाकात एक बार फिर उन्हीं से हुई। साल 2020 में उनकी शादी हुई और अब उनका एक बच्चा है। रेनाता ने बताया है कि उनके पति उनकी आंटी के भतीजे हैं और ये उन्हें शादी की एल्बम देखने के बाद ही पता चला। उनकी पहली शादी से एक बच्चा, जबकि दूसरी शादी साल 2011 तक की चली, इससे उनका कोई बच्चा नहीं है। रेनाता से उनकी तीसरी शादी है और वे खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं।

पाकिस्तान में 3 साल के बच्चे के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बता दें कि यहां तीन साल के बच्चे के खिलाफ बिजली चोरी करने का मामला दर्ज हुआ है। पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी और जल और बिजली विकास प्राधिकरण की शिकायतों पर, बिजली चोरी में कथित संलिप्तता के लिए नाबालिग के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इतना ही नहीं नाबालिग को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में लाया गया, जिससे उसके कानूनी प्रतिनिधि को दावा करने के लिए प्रेरित किया कि हलफनामा प्राप्त करने पर न्यायाधीश ने मामले को खारिज कर दिया था। यह घटना पिछले महीने चौंकाने वाले खुलासे के बाद सामने आई है, जिसमें कथित तौर पर बिजली वितरण कंपनियों (डिस्को) के भीतर बिजली चोरी के कारण राष्ट्रीय खजाने को 438 बिलियन पीकेआर का नुकसान हुआ था। सूत्रों ने खुलासा किया कि ये घाटा 438 बिलियन पीकेआर से अधिक था, जो कि 723 बिलियन पीकेआर की कुल वार्षिक बिलिंग के बीच एक बड़ा आंकड़ा है। सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले डिस्को के रूप में पहचाने जाने वाले पावर डिवीजन ने हैदराबाद, सुक्कुर, पेशावर, क्वेटा और आदिवासी क्षेत्रों की कंपनियों को उनके निराशाजनक रिकॉर्ड के लिए चुना। विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि लाहौर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी, फैसलाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी, मुल्तान इलेक्ट्रिक पावर कंपनी, गुजरांवाला इलेक्ट्रिक पावर कंपनी, और इस्लामाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी सरकारी विभागों से अधिक शुल्क वसूलने के लिए दोषी थीं। प्रांतीय विभागों में 1,02,000 से अधिक बिजली कनेक्शनों के साथ, वास्तविक खपत और बिल राशि के बीच विसंगति स्पष्ट थी। विभाग ने खुलासा किया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में, प्रांतीय विभागों ने पीकेआर 1.91 बिलियन से अधिक की बिजली की खपत की, लेकिन पीकेआर 76 बिलियन का भुगतान करना पड़ा। इस व्यापक मुद्दे से निपटने के लिए, संघीय सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मांगों का जवाब देते हुए, बिजली चोरी पर अंकुश लगाने और राजस्व वसूली को बढ़ाने के लिए बिजली वितरण कंपनियों (डीआईएससीओ) में संघीय जांच अधिकारियों (एफआईए) की तैनाती को मंजूरी दे दी।

भीषण सड़क दुर्घटना में 3 भारतीय अमेरिकी छात्रों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन भारतीय-अमेरिकी छात्रों की मौत हुई और दो अन्य घायल हो गए। तेज रफ्तार के कारण कार पलटकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान श्रीया अवसरला, अन्वी शर्मा और आर्यन जोशी के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 18 साल है। बता दें कि यह दुर्घटना वेस्टसाइड पार्कवे पर गाड़ी चलाते समय हुई। बता दें कि आर्यन ने हाल ही में अल्फारेटा हाई स्कूल में अपना सीनियर ईयर पूरा किया है, जबकि श्रीया अवसरला और अन्वी शर्मा जॉर्जिया यूनिवर्सिटी में फर्स्ट ईयर के छात्र हैं। घायल छात्रों में जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले और हॉडा एकॉर्ड के ड्राइवर रित्वाक सोमपल्ली और अल्फारेटा हाई स्कूल के सीनियर छात्र मोहम्मद लियाकथ शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना का मुख्य कारण तेज स्पीड हो सकती है। वे दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रहे हैं। दुर्घटना तब हुई जब कार के ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया और पेड़ों की कतार में उल्टा जा गिरा। आर्यन जोशी और श्रीया की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन के पिछले हिस्से में बैठी अन्वी शर्मा को नॉर्थ फुल्टन अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घायलों का इलाज उसी अस्पताल में चल रहा है।

माउंट फूजी पर्वत पर चढ़ने के लिए कराना होगा स्लॉट बुक

-एक जुलाई से 10 सितंबर तक पर्वतारोही कर सकते हैं चढ़ाई

टोक्यो। जापान के माउंट फूजी पर्वत पर चढ़ने वाले लोगों को अब एक स्लाट की बुकिंग कराना होगी और साथ ही उन्हें इसका भुगतान करना होगा। यह फैसला माउंट फूजी पर्वत पर लगातार पर्वतारोहियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए लिया गया है। क्योंकि ज्यादा लोगों के वहां जाने से गंदगी फैल रही है और ये सुरक्षा और संरक्षण के लिए चिंता का कारण है। नए नियम, 3,776 मीटर (करीब 12,300 फीट) ऊंचे पर्वत के यामानाशी किनारे पर योशिदा मार्ग से जाने वाले पर्वतारोहियों पर लागू होता है। माउंट फूजी पर्वत पर एक जुलाई से 10 सितंबर तक पर्वतारोही चढ़ाई कर सकते हैं। यामानाशी प्रान्त ने एक बयान जारी कर बताया कि नए नियम के अनुसार केवल 4,000 पर्वतारोहियों को मार्ग में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी और इसके लिए रोज 2,000 येन (करीब 18 अमेरिकी डॉलर) का शुल्क लिया जाएगा।

ईरान में हेलीकॉप्टर हादसे में मारे गये राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की अंतिम यात्र में उमड़े लोग।

हमास का खात्मा करने के लिए अमेरिका ने इजराइल के राफा ऑपरेशन को हरी झंडी

वॉशिंगटन। इजराइल ने हमास का खात्मा करने के उद्देश्य से दक्षिणी राफा शहर में व्यापक सैन्य अभियान की लंबे समय से बनाई जा रही योजना को लेकर हरी दे दी है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने इजरायली नेताओं के साथ हाल की बैठकों के दौरान अमेरिकी मानवीय विचारों को एकीकृत करने के प्रयासों को स्वीकार करते हुए इजरायल की रणनीति में सुधार पर ध्यान दिया। राफा में स्थिति गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच इजराइल के लिए उनके समर्थन की प्रगतिशील आलोचनाओं से जुड़े संभावित राजनीतिक नतीजों के चलते बाइडेन के लिए एक नाजुक मुद्दा बनी हुई है। उका कहना है कि संशोधित परिचालन योजनाओं के बावजूद, राफा में कोई भी महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई अमेरिका के लिए चिंता का विषय है, विशेष रूप से इतनी घनी आबादी वाले क्षेत्र में नागरिक आबादी पर प्रभाव के संबंध में। राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन और अन्य अमेरिकी अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, नागरिक हताहतों को कम करने और गाजा तक मानवीय सहायता पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दे रहे हैं। बाइडेन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान के साथ सप्ताहांत में हुई बातचीत में इजराइली अधिकारियों ने अपनी योजना में कई बदलाव किए हैं जो सात महीने से चल रहे युद्ध के दौरान राफा में अभियान तेज करने को लेकर कई चिंताओं को दूर करते प्रतीत होते हैं।

ईरान और इजरायल की सेना में कौन है ताकतवर? अगर युद्ध तो किसे मिल सकती है हार

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। चिंगारी सुलग चुकी है और पश्चिम एशिया में युद्ध के नगाड़े जोर-जोर से बज रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में इज़राइल द्वारा सीरिया में उसके वाणिज्य दूतावास और जनरलों को निशाना बनाए जाने के प्रतिशोध के रूप में ईरान ने 13 अप्रैल को इज़राइल पर सैकड़ों ड्रोनों से हमला किया। हालांकि इस हमले से इजराइल में ज्यादा विनाश नहीं हुआ, लेकिन इससे पश्चिम एशिया में चौतरफा युद्ध की आशंका पैदा हो गई है। इसके बाद ताजा घटना ने तनाव और बढ़ा दिया है। राज्य मीडिया ने बताया कि देश के उत्तर-पश्चिम में धुंधले, पहाड़ी इलाके में घंटों की खोज के बाद सोमवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना स्थल पर ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी, विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन और अन्य अधिकारी मृत पाए गए। अब तनाव और भी ज्यादा बढ़ने की संभावना है।

क्षेत्र में बड़े संघर्ष के इस नए डर ने ईरान और इज़राइल के सशस्त्र बलों पर नए सिरे से ध्यान आकर्षित किया है। हम दोनों सेनाओं पर करीब से नज़र डालते हैं और वे एक-दूसरे से कैसे मेल खाते हैं।

ईरान बनाम इजराइल की ताकत

ईरान और इज़राइल की सेनाओं की साथ-साथ तुलना करने से पता चलता है कि तेहरान जनशक्ति के मामले में यहूदी राष्ट्र से आगे है। ईरान की जनसंख्या इज़रायल से दस गुना अधिक है, जहाँ से वह अपनी सशस्त्र सेनाएँ खींचता है। ग्लोबल फायरपावर के 2024 सूचकांक के अनुसार, ईरान की जनसंख्या 8,75,90,873 थी। इसकी तुलना इज़राइल से करें, जिसकी जनसंख्या 90,43,387 है। इसका मतलब यह है कि ईरान के पास चुनने के लिए लोगों का एक बड़ा समूह है।

वास्तव में, न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरानी सशस्त्र बल पश्चिम एशिया क्षेत्र में सबसे बड़े हैं, जिसमें कम से कम 5,80,000 सक्रिय-ड्यूटी कर्मी और लगभग 200,000 प्रशिक्षित रिजर्व कर्मी पारंपरिक सेना और इस्लामी क्रांतिकारी के बीच विभाजित हैं।

यह इज़राइल की तुलना में है, जिसकी सेना, नौसेना और अर्धसैनिक बलों में 1,69,500 सक्रिय सैन्यकर्मी हैं। अतिरिक्त 4,65,000 इसके आरक्षित बल हैं, जबकि 8,000 इसके अर्धसैनिक बल का हिस्सा हैं।

हालाँकि, जब रक्षा खर्च की बात आती है, तो इज़राइल ईरान से आगे निकल जाता है। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स से पता चलता है कि इज़राइल का रक्षा बजट 24 बिलियन डॉलर है जबकि ईरान का 9.95 बिलियन डॉलर है।

हालाँकि, वाशिंगटन स्थित फ़ाउंडेशन फ़ॉर डिफेंस ऑफ़ डेमोक्रेसीज़ के अनुसार, ईरान की सैन्य स्थापना, विशेष रूप से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स , अपने वित्तपोषण के लिए केवल राज्य के बजट पर निर्भर नहीं है। एफडीडी ने बताया, 'सैन्य प्रतिष्ठान तेहरान स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्य का (पांचवां हिस्सा) नियंत्रित करता है और हजारों अन्य कंपनियों का मालिक है, जो सभी सशस्त्र बलों के लिए राजस्व उत्पन्न करते हैं।' 'इसके अतिरिक्त, आईआरजीसी ईरान की भूमिगत अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण हिस्से को नियंत्रित करता है।÷

ईरान के हथियार इजराइल पर हावी हैं

जबकि ईरान शीट जनशक्ति की ताकत के मामले में इज़राइल से आगे निकल सकता है, तेल अवीव हथियार के मामले में बढ़त रखता है। उदाहरण के लिए, इज़राइल के पास तेहरान से अधिक वायु शक्ति है। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स से पता चलता है कि इज़राइल के पास कुल 612 विमान हैं, जबकि ईरान के पास 551 हैं। एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इज़राइल की वायु सेना में एफ-15एस, एफ-16एस और एफ-35एस जैसे सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान शामिल हैं। लेकिन ईरान के मामले में ऐसा नहीं है।

इज़राइल के कब्जे में उसकी प्रसिद्ध बहुस्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली भी है, जिसमें आयरन डोम, डेविड स्लिंग, एरो और द पैट्रियट भी शामिल है। ये मिलकर शनिवार की रात ईरान के ड्रोन और मिसाइलों के हमले को रोकने में सक्षम थे।

हालाँकि, ईरान का मिसाइल शस्त्रागार अतुलनीय है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटजिक स्टडीज ने बताया है कि ईरान के पास पश्चिम एशिया में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के सबसे बड़े शस्त्रागार में से एक है, जिसमें क्रूज़ मिसाइल और एंटी-शिप मिसाइलों के साथ-साथ 2,000 किलोमीटर तक की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल हैं। इनमें इजराइल समेत किसी भी लक्ष्य को भेदने की क्षमता और रेंज है।

नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने फलस्तीन को मान्यता दी

बार्सिलोना (एजेंसी)। पिछले साल 7 अक्तूबर से ही इजरायल-हमास के बीच युद्ध जारी है। इस युद्ध में 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। हमास के अंत का लक्ष्य लेकर गाजा से लेकर राफा में बम बरसा रहे इजरायल को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने फलस्तीन को देश के रूप में मान्यता देना की घोषणा कर दी है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोर ने कहा कि इजरायल के हित में यही है कि टू-स्टेट सॉल्यूशन हो जाए। दरअसल, टू-स्टेट सॉल्यूश का मतलब है कि इजरायल और फलस्तीन दोनों को देश का दर्जा मिले। भारत भी टू-स्टेट सॉल्यूशन की वकालत करता है। पीएम स्टोर ने कहा कि जबतक फलस्तीन को देश की मान्यता नहीं दी जाती तबतक मध्य पूर्व में शांति नहीं होगी। स्टोर ने कहा कि स्कैंडिनेवियाई देश आधिकारिक तौर पर 28 मई तक एक फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देगा। उन्होंने कहा, फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देकर, नॉर्वे अरब शांति योजना का समर्थन करता है। पिछले हफ्तों में कई यूरोपीय संघ के देशों ने संकेत दिया है कि वे फलस्तीन को मान्यता देने की योजना बना रहे हैं। उनका तर्क है कि क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए दो-राज्य समाधान आवश्यक है।

बता दें कि नॉर्वे यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है। नॉर्वे के ऐलान के बाद आयरलैंड के प्रधानमंत्री सिमॉन हैरिस ने भी फलस्तीन को देश के रूप में मान्यता देने की बात कही। हैरिस ने कहा कि आज आयरलैंड, नॉर्वे और स्पेन ने फलस्तीन को मान्यता देना का फैसला किया है। स्पेन के पीएम पेड्रो सैंशेज ने कहा कि इस मामले पर हमारी कैबिनेट की मीटिंग 28 मई को होगी। वहीं इन तीनों देश के फैसले से इजरायल नाराज हो गया है। इजरायल ने आयरलैंड और नॉर्वे से अपने राजदूतों को तत्काल वापस लौटने का आदेश दिया है। इजरायल ने कहा कि इस फैसले से अतिवाद बढ़ेगा और मध्य पूर्व में अशांति बढ़ेगी।

यूएन में डरा दिखा पाकिस्तान... ये नया भारत घर में घुसकर मारता

– पाकिस्तान राजदूत अकरम ने पीएम के बयान का किया ज़िक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। न्यूयॉर्क (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान ने पहली बार ये स्वीकारा की नया भारत बहुत ही खतरनाक है। यूएन के स्थायी राजदूत मुनीर अकरम ने वैश्विक मंच पर फिर भारत पर आरोप लगाकर कहा कि नया भारत आपके घर में आता है और आपको मार डालता है।

अकरम ने एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह बयान दिया। टारगेट किलिंग को लेकर भारत पर निशाना साधकर अकरम ने खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार विदेशी धरती पर रहने वाले राजनीतिक विरोधियों का खात्मा करने के साथ ही पाकिस्तान के अदंर भी इस तरह की टारगेट किलिंग की घटनाओं को अंजाम दे रही है। अकरम ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने सुरक्षा परिषद, महासचिव और महासभा के अध्यक्ष को पाकिस्तान में टारगेट किलिंग के भारत के अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। यह कनाडा, अमेरिका और संभवतः अन्य देशों में भी इसका प्रयास जारी है।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भाषण का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने ऐसा कहा था कि आज, भारत के दुश्मन भी जानते हैं कि यह मोदी है। यह नया भारत है। यह नया भारत आपके घर में घुसकर आपको मार डालता है। दरअसल, देश में चल रहे चुनावों के लिए प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के बारे में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी। लातूर में चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आज भारत डोजियर नहीं भेजता है। आज भारत आतंकवादियों को उनके ही घर में घुसकर मारता है।

रूसी-चीनी, भाई-भाई, रिश्तों का नया अध्याय, अमेरिका की दुश्मनी दोनों को करीब लेकर आई, नजदीकी ने भारत की चिंता भी बढ़ाई

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी बल्किंन बीते दिनों चीन की यात्रा पर थे। ब्लिंकन ने एक मैसेज चीन को दिया कि रूस से दूर ही रहे और उसे सपोर्ट न करे। लेकिन इसके ठीक एक हफ्ते बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन आते हैं और उनका भव्य स्वागत होता है। शी जिनपिंग न केवल पुतिन के लिए रेड कॉर्पेट बिछवाते हैं बल्कि खुद काफी जगह उन्हें रिसीव करने भी आते हैं। इसके साथ ही व्लादिमीर पुतिन एक ऐसा बयान देते हैं जो वो अभी तक किसी और देश के बारे में नहीं कही होगी। पुतिन ने साफ कहा कि रूसी चीनी हमेशा भाई भाई रहेंगे। वैसे इस लाइन को लेकर भारत का काफी खराब अनुभव रहा है। चीन ने 1960 के दौर में भारत और बीजिंग के रिश्तों को परिभाषित करने के लिए भी इसी तरह के नारे को काफी प्रमोट किया था। चीन की तरफ से हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा लगाते नहीं थकते थे। बाद में 1962 में चीन ने अक्साई चीन कब्जा लिया और आज तक हम उस भाग को वापस अपने देश में शामिल नहीं करा पाए हैं। भारत को मिले धोखे से इतर चीन की तरफ से रूस को इस तरह के धोखे मिलने की संभावना फिलहाल नजर तो नहीं आ रही है।

नया वर्ल्ड ऑर्डर बनाएंगे पुतिन-जिनपिंग!

दोनों देशों का एक खास मकसद है। दो देश एकट्ठा जब आएंगे तो उसके लिए उनकी विजन एक होनी चाहिए। चीन और रूस एक नए ग्लोबल ऑर्डर की चाह लिए है। वर्तमान के वर्ल्ड ऑर्डर को यूएसए ने बनाया था जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से चला आ रहा है। अमेरिका इसमें खुद को सबसे ऊपर रखता है। किस पर प्रतिबंध लगेंगे, कौन किससे तेल खरीदेगा, व्यापार करेगा। वर्ल्ड ऑर्डर में दूसरे नंबर पर यूरोपियन यूनियन फिर बाकी दुनिया का नंबर आता है। रूस वर्तमान में चीन को सबसे अधिक महत्व दे रहा है। रूसी अर्थव्यवस्था को चालू रखने, रूस को राजनीतिक अलगाव से बचाने और पश्चिम के खिलाफ संयुक्त मोर्चा बनाने के पुतिन के लक्ष्यों के लिए चीन का समर्थन महत्वपूर्ण है। पुतिन आश्वस्त होकर घर लौटे कि उनके घनिष्ठ मित्र शी जिनपिंग दृढ़ रहेंगे और मॉस्को को अटूट समर्थन देंगे।

मॉस्को-बीजिंग भाई भाई

व्यापक स्तर पर मॉस्को-बीजिंग साझेदारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक निर्णायक कारक बन गई है, जिसके निहितार्थ को न तो पूरी तरह से समझा गया है और न ही सराहा गया है। यह खुद को उभरते पश्चिमी खतरे से बचाने, अमेरिका के अत्यधिक प्रभुत्व को चुनौती देने और दुनिया भर में अपने प्रभाव का विस्तार करने की दिशा में बढ़ाया गया कदम है। यह संबंध व्यापक वाणिज्यिक आदान-प्रदान से लेकर मजबूत रक्षा संबंधों और बहुपक्षीय संस्थानों में घनिष्ठ सहयोग तक फैला हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की पदानुक्रमित संरचना में यह साझेदारी पश्चिमी गठबंधनों के ठीक नीचे स्थित दूसरी सबसे शक्तिशाली इकाई के रूप में उभरी है।

अमेरिका की दुश्मनी ने दोनों को लाया और करीब

ग्लोबल साउथ में इसका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि देश पश्चिम के पारंपरिक प्रभुत्व का विकल्प तलाश रहे हैं। जो बाइडेन प्रशासन की रूस और चीन दोनों को एक साथ दबाने की अदूरदर्शी रणनीति ने सीधे तौर पर पीड़ितों को एकजुट करने में योगदान दिया है। राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति शी इस साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देते हैं। दोनों पक्षों में नेतृत्व परिवर्तन की अनुपस्थिति ने एक सुसंगत और स्थिर संबंध सुनिश्चित किया - एक विशेषाधिकार जो आमतौर पर सत्तावादी शासन के लिए आरक्षित है। पिछले दो दशकों में शी और पुतिन 40 से अधिक बार मिल चुके हैं और दोबारा चुनाव के बाद विदेश में अपने पहले गंतव्य के रूप में अक्सर एक-दूसरे के देश को चुनते हैं।

दूसरे हेलिकॉप्टर में सवार चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कैसे हुआ राष्ट्रपति रईसी का हेलिकॉप्टर क्रैश

–उड़ान भरने के 45 मिनट बाद बदला मौसम का मिजाज

तेहरान (एजेंसी)। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री सहित नौ लोगों की हेलिकॉप्टर क्रैश में मौत हो गई थी। अब ईरान सरकार ने रईसी के हेलिकॉप्टर क्रैश को लेकर नई जानकारी दी है। ईरान के राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ गुलाम हुसैन इस्माइली ने कहा कि जिस जगह पर राष्ट्रपति रईसी का हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ था। वहां शुरुआत में मौसम बिल्कुल ठीक था।

इस्माइली खुद ईरानी राष्ट्रपति रईसी के काफिले के उन तीन हेलिकॉप्टर में से एक में सवार थे। उन्होंने बताया कि दोपहर लगभग एक बजे हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी थी। तब मौसम बिल्कुल सामान्य था। हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने के 45 मिनट बाद रईसी के हेलिकॉप्टर के पायलट ने घने कोहरे से बचने के लिए अन्य दोनों हेलिकॉप्टर के पायलटों को एल्टीट्यूड (ऊंचाई) बढ़ाने को कहा। लेकिन दोनों हेलिकॉप्टर के बीच में उड़ रहा रईसी का विमान अचानक गायब हो गया। इस्माइली का कहना है कि बादलों के ऊपर 30 मिनट तक उड़ान भरने के बाद हमारे पायलट ने नोटिस किया कि बीच में उड़ान भर रहा राष्ट्रपति रईसी का हेलिकॉप्टर गायब है। इसके बाद पायलट ने राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर को ढूंढने के लिए यूटर्न लेकर वापस जाने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि रेडियो डिवाइस के द्वारा राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर से संपर्क करने के कई प्रयास किए गए। इस दौरान घने बादलों की वजह से हम अपने हेलिकॉप्टर का एल्टीट्यूड कम नहीं कर सकते थे। लेकिन रईसी के हेलिकॉप्टर का नामोनिशान नहीं होने की वजह से हमारे हेलिकॉप्टर ने पास की एक कॉपर माइन में लैंड किया।

इस्माइली ने बताया कि अन्य दोनों हेलिकॉप्टर के पायलटों ने राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर के प्रभारी कैप्टन मुस्ताफवी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन मोहम्मद अली आले-हाशेम ने फोन उठाया। हाशेम ने बताया कि उनका हेलिकॉप्टर घाटी में क्रैश हो गया है और उनकी हालत ठीक नहीं है। इस्माइली ने बताया कि हम लोगों ने हाशेम से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की लेकिन इस बार भी हमें वही जवाब मिला। वह बताते हैं कि क्रैश में रईसी और अन्य की तुरंत मौत हो गई थी लेकिन आले-हाशेम ने कुछ घंटों के बाद दम तोड़ दिया था।

रिपोर्ट्स में हेलिकॉप्टर क्रैश का शुरुआती कारण खराब मौसम को बताया गया। कहा जा रहा है कि हादसा घने कोहरे की वजह से हुआ। दुर्घटना तेहरान से करीब 600 किलोमीटर (375 मील) उत्तर-पश्चिम में अजरबैजान प्रांत

की सीमा पर जोल्फा के पास हुई। राष्ट्रपति के काफिले में तीन हेलिकॉप्टर शामिल थे, जिनमें से दो सुरक्षित लौट आए, लेकिन वह हेलिकॉप्टर वापस नहीं लौटा जिसमें इब्राहिम रईसी के साथ ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन, पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मालेक रहमती और धार्मिक नेता मोहम्मद अली आले-हाशेम भी सवार थे।

कपिल सिब्बल ने कर दी गलती अब हेमंत सोरेन नहीं कर सकेंगे चुनाव प्रचार

-सुप्रीम कोर्ट का याचिका पर विचार करने से इनका, कोर्ट से छिपाए तथ्य

-सोरेने के वकील ने क्षमा याचना के साथ अपनी गलती मानी

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की याचिका पर विचार करने से साफ मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट की आपत्ति के बाद हेमंत सोरेन के वकीलों ने दायर याचिका वापस ले ली है। सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत के वकील को फटकार लगाते हुए टिप्पणी की कि हेमंत सोरेन के वकीलों ने तथ्यों को छिपाया और मामले को सही ढंग से पेश नहीं किया। बता दें कि कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में हेमंत सोरेन का पक्ष रख रहे थे और उन्होंने जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एससी शर्मा की पीठ के सामने अपनी गलती भी मानी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप (हेमंत) राहत पाने के लिए एक साथ दो अदालतों में पेश हुए यह सही नहीं है। एक में आपने जमानत मांगी और दूसरी में अंतरिम जमानत। आप समानांतर उपाय अपनाते रहे हैं और कोर्ट को नहीं बताया कि आपने निचली अदालत में भी जमानत याचिका दाखिल की है। आपने सुप्रीम कोर्ट से यह तथ्य छिपाया और हमें गुमराह किया। हेमंत सोरेन के वकील कपिल सिब्बल ने क्षमा याचना के साथ अपनी गलती मानी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट पर इसका कोई असर नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान दूसरे दिन ईडी ने हलफनामे के जरिए झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका का विरोध किया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की युगल पीठ से सोरेन ने मांग की थी कि उन्हें भी दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की तरह चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाए। ईडी ने अपनी दलील में कहा कि चुनाव प्रचार करना न तो मौलिक अधिकार है, न संवैधानिक और न ही कानूनी अधिकार। कपिल सिब्बल ने सुनवाई के दूसरे दिन अपनी गलती मानते हुए कहा कि यह मेरी व्यक्तिगत गलती है, मेरे मुवक्किल की नहीं। मुवक्किल जेल में है और हम वकील हैं और उसकी पैरवी कर रहे हैं। सिब्बल ने कहा कि हमारा इरादा कोर्ट को गुमराह करना नहीं था। हमने ऐसा कभी नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम आपकी याचिका को खारिज कर सकते हैं, लेकिन अगर आप बहस करेंगे तो हमें मेरिट पर गौर करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा आप इतने वरिष्ठ वकील हैं। कपिल सिब्बल ने कहा कि जब हमने अंतरिम रिहाई के लिए आवेदन दायर किया तो यह इस तथ्य पर आधारित था कि हम पीएमएलए की धारा 19 के तहत अपने मुवक्किल की गिरफ्तारी से संतुष्ट नहीं थे। जमानत का उपाय रिहाई के उपाय से भिन्न है। मैं अपनी धारणा में गलत हो सकता हूं, लेकिन यह दलील अदालत को गुमराह करने के लिए नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई? जब हमें पता होता है कि किसी अन्य मंच पर पहले ही संपर्क किया जा चुका है तो हम दायर याचिकाओं पर विचार नहीं करते हैं। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कपिल सिब्बल से पूछा- हमें पहले कुछ स्पष्टीकरण चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा उस समय भी हमें ये नहीं बताया गया कि निचली अदालत ने इस मामले में संज्ञान ले लिया है। अगर कोई किसी नियम के तहत हिरासत में है तो किसी भी याचिका में यह उल्लेख क्यों नहीं किया गया कि इसका संज्ञान लिया गया है? आपका आचरण पूरी तरह सही नहीं है। हम आपको विकल्प देंगे कि आप कहीं और जाकर अपनी अपील दाखिल करें।

अग्निवीर योजना पर कांग्रेस और धर्म पर भाजपा के स्टार प्रचारक बयान नहीं दें

चुनाव आयोग का दोनों दलों को सख्त संदेश

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के तहत 7 में से पांच चरणों के मतदान हो चुके है। 4 जून को रिजल्ट घोषित होगा। इस बीच भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को स्टार प्रचारकों को उनके भाषण को सही करने, सावधानी बरतने और शिष्टाचार बनाए रखने के लिए औपचारिक नोट जारी करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि यह भाजपा और कांग्रेस के लिए उनके स्टार प्रचारकों के नेतृत्व में प्रचार की गुणवत्ता में गिरावट के मद्देनजर यह आदेश जारी किए गए है। चुनाव आयोग ने जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों पर कड़ी कार्रवाई की है। चुनाव आयोग ने दोनों पार्टियों के स्टार प्रचारकों को निर्देश दिया है कि वे अपने प्रचार में धार्मिक और सांप्रदायिक रंगत से दूर रहें। इतना ही नहीं आयोग ने भाजपा से कहा है कि वह प्रचार के दौरान इसतरह के भाषण न दे जिससे समाज में विभाजन पैदा हो। वहीं, आयोग ने कांग्रेस को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि स्टार प्रचारक इसतरह के बयान न दें जो गलत धारणाएं बनाते हों। इसके अलावा, अग्निवीर योजना पर बोलते समय, चुनाव निकाय ने कांग्रेस प्रचारकों या उम्मीदवारों से रक्षा बलों का राजनीतिकरण न करने और रक्षा बलों की सामाजिक-आर्थिक संरचना के बारे में संभावित विभाजनकारी बयान न देने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने कहा है कि भाजपा और कांग्रेस को भारतीय मतदाताओं के गुणवत्तापूर्ण चुनावी अनुभव की विरासत को कमजोर करने की अनुमति नहीं मिलेगी। चुनाव आयोग ने भाजपा और कांग्रेस द्वारा एक दूसरे के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है।

राहुल गांधी ने कहा....पीएम मोदी देश के राजा....मैं बेटा आपका दर्द समझता हूं

4 जून को बना रही इंडिया गठबंधन की सरकार

सोनीपत । (एजेंसी)

कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार को हरियाणा के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने सबसे पहले चरखी दादरी में रैली की। इसके बाद वे सोनीपत पहुंचे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अरबपतियों की है। पीएम मोदी ने 22 लोगों का कर्जा माफ किया। सिर्फ 22 लोगों को अमीर बनाया। वहीं चरखी दादरी में रैली के दौरान मंच पर राहुल गांधी के सामने बेटी श्रुति की टिकट कटने से नाराज विधायक किरण चौधरी और कैंडिडेट राव दान सिंह भिड़ गए। दोनों ने एक-दूसरे को अंगुलियां दिखाई। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि वे हरियाणा की सभी 10 सीटें जीत रहे है। 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। इसके एक महीने बाद 4 जुलाई को देश की करोड़ों महिलाओं के खाते में 8500 रुपए आएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मैं देश का बेटा हूं और पीएम नरेंद्र मोदी देश के राजा हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आते ही युवाओं को पहली पक्की नौकरी देगी। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने करोड़ों युवाओं को बेरोजगार किया है। सब छोटी कंपनियों को बंद किया। कुछ दिन पहले मैं न्यू दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गया, वहां मुझे एक कुली मिला, वह बोला मैं सिविल इंजीनियर हूं। अब देखिए ये हालात देश के हैं। मीडिया वाले कभी नहीं यह बात बताने वाले है। सबसे पहला काम यह होगा कि जो तीस लाख सरकारी नौकरियां खाली पड़ी हैं, उनमें युवाओं की भर्ती की जाए।

अखिलेश का पीएम पर पलटवार.... दो शाहजादे मिलकर देंगे शह और मात

नई दिल्ली ।

सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आजमगढ़ में जनसभा को संबोधित कर भाजपा पर जमकर हमला किया। अखिलेश ने पीएम मोदी के शहजादे वाले बयान पर कहा, ये लोग जो कहते हैं शहजादे शहजादे, इस बार दोनों शहजादे मिलकर ऐसी शह देने वाले और जनता ऐसी मात देगी कि इनका पता नहीं लगेगा।अखिलेश ने कहा, जो हमें और आपको 400 पार का नारा देकर डरा रहे थे, वे जान गए हैं कि 400 पार नहीं 400 हार होने जा रही है। अखिलेश ने कहा कि पहले चार चरण से जो वोट पड़ना शुरू हुआ है, आने वाले 4 जून को जब परिणाम आएगा उन्हें 140 करोड़ देश की जनता 140 सीटों पर पहुंचा देगी। सपा प्रमुख ने कहा कि ये लोग बड़ी बड़ी बातें कर आपको गुमराह करते रहे हैं, किसानों से कहा 2022 में आए दोगुनी हो जाएगी, किसी किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। महंगाई और लागत बढ़ा दी। इंडिया गठबंधन ने तय किया है जिस तरह से कारोबारियों का कर्ज माफ हुआ है, आने वाले 4 जून को जब सरकार बनेगी तब गरीबों और किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। अखिलेश ने कहा कि ये चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। जो लोग ये सपना लेकर निकले हैं कि संविधान बदल देंगे, संविधान बदलने वालों को आजमगढ़ की जनता बदल देगी।

मैंने स्वाभिमान की लड़ाई शुरू की है, इंसाफ मिलने तक लड़ती रहूंगी

-आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल आर-पार के मूड में

नई दिल्ली, । (एजेंसी)

दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ सीएम हाउस पर हुई कथित मारपीट पर घमासान जारी है। इस मामले में अरविंद केजरीवाल के पीएम बिभव कुमार पर मारपीट और बदसलूकी का आरोप लगा है। अभी बिभव पुलिस हिरासत में हैं। इस बीच स्वाति मालीवाल अपनी ही पार्टी आप पर हमला बोला है। स्वाति ने अपने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-मैंने अपनी स्वाभिमान की लड़ाई शुरू की है, इंसाफ मिलने तक लड़ाई लड़ती रहूंगी। इस लड़ाई में मैं पूरी तरह अकेली हूं पर हार नहीं मानूंगी।

इस टिप्पणी से ऐसा लगता है कि आज की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल आर-पार के मूड में आ गई हैं। उन्होंने बुधवार को एक्स पर चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने लिखा, कल पार्टी के एक बड़े नेता का फोन आया। उसने बताया सब पर दबाव है, स्वाति के खिलाफ गंदी बातें बोलनी हैं। उसकी पर्सनल फोटोज लीक करके उसे तोड़ना है। ये बोला जा रहा है कि जो उसको सपोर्ट करेगा उसको पार्टी से निकाल देंगे। किसी को पत्रकारवार्ता और ट्वीट्स करने की ड्यूटी मिली है। किसी की ड्यूटी है अमेरिका में बैठे वॉलंटियर्स को फोन करके स्वाति के खिलाफ कुछ बुलवाना है। आरोपी के कुछ करीबी बीट रिपोर्टर्स की ड्यूटी है कुछ फर्जी स्टिंग ऑपरेशन बनाकर लाओ।

मालीवाल ने आगे कहा कि तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, अकेले सामना करूंगी क्योंकि सच मेरे साथ है। आरोपी बहुत शक्तिशाली आदमी है। बड़े से बड़ा नेता भी उससे डरता है। किसी की हिम्मत नहीं उसके खिलाफ स्टैंड ले पाए। उन्होंने कहा कि दुख इस बात का है कि दिल्ली की महिला मंत्री कैसे हंसते मुस्कुराते पार्टी की एक पुरानी महिला साथी का चरित्र हरण कर रही है। इससे पहले भी उन्होंने अपनी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए थे।

इंडिया गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी का उम्मीदवार ही पीएम होगा : जयराम रमेश

-कुछ मिनटों में तय हो जाएगा नाम

नई दिल्ली । (एजेंसी)

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर लोकसभा चुनाव लड़ रही एनडीए गठबंधन के नेता लगातार ये सवाल पूछ रहे हैं कि विपक्ष का पीएम उम्मीदवार कौन है? वहीं, इंडिया गठबंधन ने अबतक अपना प्रधानमंत्री कैंडिडेट तय नहीं किया है।इस बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश से पूछा गया कि क्या राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनेंगे? इसके जबाव में जयराम रमेश ने कहा, यह व्यक्तियों के बीच ब्यूटी प्रतियोगिता नहीं है। हम एक पार्टी-आधारित लोकतंत्र हैं। सवाल यह है कि जनादेश किस पार्टी या गठबंधन को मिलेगा। पार्टियों को बहुमत मिलता है। पार्टी अपना नेता चुनती है और वह नेता प्रधानमंत्री बनता है। जयराम ने कहा, हम शॉर्टकट में विश्वास नहीं करते। यह मोदी की कार्यशैली हो सकती है। हम अहंकारी नहीं हैं। 2 दिन भी नहीं, कुछ ही घंटों में पीएम के नाम का ऐलान हो जाएगा। सबसे बड़ी पार्टी का उम्मीदवार ही पीएम होगा। यह वैसे ही होगा जैसे 2004 में हुआ था। इसके पहले एक इंटरव्यू के दौरान सचिन पायलट से पूछा गया कि क्या आई.एन.डी.आई. गठबंधन एक स्थिर सरकार दे पाएगी? इसके जबाव में पायलट ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि

अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तब वहां एक स्थिर सरकार होगी। पहले भी यूपीए के दौर में गठबंधन की सरकार थी। वे सही ढंग से चली थी। उससे पहले एनडीए की सरकार भी सही ढंग से चली थी। हमारा लक्ष्य लोगों तक विकास कार्यों को पहुंचाना होना चाहिए। हमारे देश का विकास हो। यह लक्ष्य होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस सरकार में न्याय व्यवस्था नेता के अधीनः सुधांशु त्रिवेदी

राहुल गांधी का बयान उनकी मानसिकता को दिखाता

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर उन पर दो भारत बनाने का आरोप लगाया, जहां न्याय धन पर निर्भर है। इस बयान पर भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी का बयान उनकी मानसिकता को दर्शाता है। कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधकर बीजेपी नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान न्याय व्यवस्था नेता के अधीन थी। भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा, अगर राहुल गांधी ऐसा कहते हैं, तब यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है। क्या न्यायिक प्रणाली नेता के अधीन आती है? यह उनकी सरकार के दौरान रहा होगा। मुझे याद है कि उनकी दादी ने कहा था कि एक प्रतिबद्ध न्यायपालिका होनी चाहिए और अगर यह न्यायिक प्रणाली के महंगे होने की बात है, तब आपने सबसे महंगे वकीलों को संसद में भेजा है जो लाखों की फीस लेते हैं। अपने दोस्तों से इस प्रणाली को सस्ता बनाने में मदद करने के लिए कहें। दरअसल राहुल गांधी ने पुणे रैश ड्राइविंग मामले में यह बात कही, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी और एक अमीर परिवार के आरोपी के साथ कैसा व्यवहार किया गया (जमानत दी गई) जबकि उसी मामले में एक बस चालक या ऑटो चालक को दस साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

पीएफआई सदस्यों ने जेल में डेढ़ साल बिताए....ये कहकर सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की जमानत

मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों को बड़ा झटका दिया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटकर सभी 8 आरोपी सदस्यों की जमानत रद्द कर दी है। इन आठों सदस्यों पर देशभर में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने की साजिश रचने का आरोप है। मोदी सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला माधुर्य त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की खंडपीठ ने कहा कि अपराध की गंभीरता और तथ्य को देखकर कहा कि अधिकतम साज के तौर पर इन अपराधियों ने जेल में केवल 1.5 वर्ष बिताए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक है। सुप्रीम कोर्ट इन आठ अपराधियों की जमानत को रद्द करने का आदेश देती है। पिछले साल अक्टूबर में मद्रास हाईकोर्ट ने जस्टिस एसएस सुंदर और जस्टिस एसएस सुंदर की खंडपीठ ने कहा था इन आठों आरोपियों के खिलाफ आतंकवादी गिरोह से जुड़े होने या आतंकी सामग्री की मौजूदगी के सबूत ना होने की वजह से उन्हें जमानत देती है। मद्रास उच्च न्यायालय ने निर्देश पर ये आठ आरोपी जमानत पर हैं, बरकाथुल्ला, इदरीस, एम.ए. अहमद इदरीस, मोहम्मद अबुथाहिर, खालिद मोहम्मद, सैयद इशाक, खाजा मोहिदीन, यासर अराफात और फैयाज अहमद।

इलाज कराने आए बांग्लादेश के सांसद फ्लैट में मृत पाए गए

-कई दिन से थे लापता, पुलिस कर रही थी तलाश

कोलकाता,(ईएमएस)। बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी अवामी लीग के सांसद अनवारुल अजीम अनार कोलकाता के एक फ्लैट में मृत पाए गए। बांग्लादेश के गृहमंत्री ने उनकी मौत की पुष्टि की है। वह अपना इलाज कराने भारत आए थे और बीते कुछ दिनों से लापता हो गए थे। उनकी तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। बांग्लादेश के गृहमंत्री ने बताया कि कोलकाता पुलिस ने अनवारुल की मौत की पुष्टि की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक तीन बार के सांसद अनवारुल कोलकाता में एक फ्लैट में मृत पाए गए। बताया जा रहा है कि वह यहां किसी से मिलने आए थे। बता दें कि अजीम 12 मई को कोलकाता आए थे। तभी से उनके परिवार से उनका संपर्क नहीं हो पा रहा था। उनका फोन भी 14 मई से स्विच ऑफ था। उत्तरी कोलकाता के बर्नानगर पुलिस स्टेशन के अनुसार 18 मई को बांग्लादेश के सांसद के लापता होने की शिकायत दर्ज की गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अनवारुल 12 मई की शाम 7 बजे अपने एक पारिवारिक दोस्त गोपाल बिस्वास से मिलने कोलकाता में उनके घर गए थे। अगले दिन दोपहर वह डॉक्टर से मिलने का कहकर वह से रवाना हो गए थे। उन्होंने कहा था कि वह शाम तक लौटेंगे। अनवारुल ने बिधान पार्क में कलकत्ता पब्लिक स्कूल के सामने से टैक्सी ली। शाम में उन्होंने गोपाल को वॉट्सऐप मैसेज कर बताया कि वह दिल्ली जा रहे हैं और वहां पहुंचने पर कॉल करेंगे। अनवारुल ने 14 मई को बिस्वास को एक और मैसेज भेजा, जिसमें उन्होंने बताया कि वह दिल्ली पहुंच गए हैं और यहां कुछ वीआईपी लोगों के साथ हैं उन्हें कॉल करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यही मैसेज अपने पीए राउफ को भी भेजा था, लेकिन 17 मई को उनकी बेटी ने गोपाल बिस्वास को फोन कर बताया कि वह अपने पिता से किसी तरह से कॉन्टैक्ट नहीं कर पा रही हैं। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है।

बीजेपी की सीटें ज्यादा आने के बाद भी

ये मोदीजी की बेस्ट इनिंग नहीं होगी

-चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने किया दावा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर उतरी है। उसने नारा दिया है इस बार 400 पार। भाजपा के नेता अकेले दम 370 सीटें जीतने का दावे कर रहे हैं। भाजपा के दावे को लेकर चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक साक्षात्कार में कहा है कि भाजपा का नंबर पिछली लोकसभा में 303 था। इस बार भी पार्टी का नंबर वही या उससे कुछ बेहतर होगा, उससे खराब नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि एनडीए की कितनी सीटें आएंगी, ये कहना बेमानी होगा। जीतने के बाद कौन कहां जाएगा यह कहा नहीं जा सकता लेकिन भाजपा की सीटें 270 से नीचे नहीं जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी ने जनवरी में पहली बार कहा था कि हमें 370 और एनडीए समेत 400 सीटें चाहिए। पीके ने कहा कि मैं तब से कह रहा हूं कि भाजपा की 370 सीटें तो आ ही नहीं सकती हैं। यह भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए है। उन्होंने ये भी कहा कि बडे फैसले लेने की बात पीएम मोदी ने जब ये चुनाव शुरू हुआ था, उससे पहले कहा था। जब तीसरी बार पीएम मोदी आएंगे तो कुछ बडे फैसले लेते दिखेंगे लेकिन जो पूरा कैंपेन चला है, उसमें एक ही चीज नजर आती है तीसरे टर्म में वह इतने ताकतवर नहीं होंगे जितने दूसरे टर्म में थे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि ज्यादा सीटें लाकर भी ये चुनाव मोदीजी की बेस्ट इनिंग नहीं होगी। उन्होंने इसे उदाहरण देकर समझाया और कहा कि मान लीजिए विराट कोहली ने बिल्कुल फ्लॉलेस 101 रन बनाए। किसी दूसरी इनिंग में विराट कोहली ने 140 रन बनाए लेकिन उस दौरान उनके छह कैच छुट गए। रिकॉर्ड पर तो दोनों ही सेंचुरी लिखी जाएगी लेकिन आप किसे बेहतर मानेंगे? उन्होंने कहा कि जब इतिहास लिखा जाएगा तब रिकॉर्ड बुक में यह भी लिखा जाएगा कि कैच नहीं छूटे होते तो शायद...और अगर आप विराट कोहली से भी पूछेंगे कि दोनों में से बेहतर इनिंग कौन सी थी? तो वो भी 101 वाली इनिंग को ही बेहतर बताएंगे।

प्रशांत ने कहा कि इस बार दिख रहा है कि मोदीजी के नाम की लहर नहीं है। एनालिटिकल टूल्स, डेटा और इंटरव्यू की टीआरपी... अगर सभी को मिलाकर देखेंगे तो इंटेंसिटी में कमी आई है। उन्होंने मोदी सरकार 3.0 की चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामीण असंतोष देश में धीरे-धीरे बहुत बडा मुद्दा बनता जा रहा है। दूसरा जो बढ़ती असमानता है, वो सिटिंग टाइम बम है और तीसरा जो बेरोजगारी है। ये तीनों चीजें किसी भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन जाएंगी इसलिए इस बार भाजपा का 400 पार का नारा पूरा होता नहीं दिख रहा है।

बच्ची ने शादी में खाया स्मोक पान, पेट में हो गया छेद, सर्जरी कर बचाई जान

बेंगलुरु।

शादी समारोह में खाने के तरह-तरह के अयाटम बनाए जाते हैं जिनका लोग लुत्फ उठाते हैं वहीं बच्चे भी उनके मनपसंद आयटमों का बड़े चाव से खाते हैं। ऐसे ही शादी समारोह में एक बच्ची को स्मोकी पान खाना महंगा पड़ गया और उसकी जान पर बन आई। दरअसल बेंगलुरु में लिक्विड नाइट्रोजन युक्त स्मोकी पान खाने के बाद एक 12 साल की लड़की के पेट की आंत में छेद होने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में लड़की की सर्जरी की गई। तब जाकर उसकी जान बची। अस्पताल के मुताबिक लड़की ने बेंगलुरु में एक शादी समारोह में स्मोकी पान खा लिया था। जिससे लड़की के पेट के अंदर छेद हो गया, जिससे आगे की समस्याओं को रोकने के लिए तुरंत सर्जरी करनी पड़ी। मरीज की इंट्रा-ऑप-ओजीडी स्कोपी के साथ एक्सप्लोरेटरी लैपरोटॉमी की गई। अस्पताल ने

डॉक्टर के हवाले से बताया कि इंट्रा-ऑप ओजीडी स्कोपी- एक प्रक्रिया हैं जहां एंडोस्कोप, एक कैमरा और लाइट के साथ एक लचीली ट्यूब, का उपयोग करके सर्जरी के दौरान पेट के अंदर अन्नप्रणाली और छोटी आंत के हल्के भाग की जांच की जाती है। बच्ची का ऑपरेशन करने वाले डॉ विजय एच एस ने इसकी जानकारी दी। सर्जरी के जरिए पेट के उस क्षतिग्रस्त हिस्से को हटा दिया गया। सर्जरी के बाद बच्ची को आईसीयू में रखा गया स्वस्थ होने के बाद उसे छुट्टी दे दी गई बच्ची अब पूरी तरह स्वस्थ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मशीन से बचने के लिए लॉरी-गल्ला पर चलते थे, ९.३२ लाख रुपये के नकली नोट और छपाई सामग्री जब्त

नकली नोट बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़

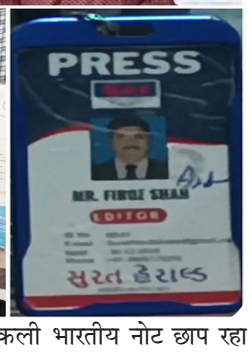

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर स्थित पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने भेष बदलकर दो महीने तक निगरानी रखी और डुप्लीकेट नोट छापने की एक मिनी फैक्ट्री पकड़ी. लिंबायत क्षेत्र से इस फैक्ट्री को चलाने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. फिलहाल पुलिस को ५००, २०० के ९ लाख से अधिक डुप्लीकेट नोट मिले हैं. इसके साथ ही पुलिस ने प्रिंटर, लैपटॉप, नोटों का ग्राफ भी जब्त कर लिया है.

इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, फिरोज की मुलाकात मध्य प्रदेश के रहने वाले दो अन्य आरोपियों से हुई और उन्होंने नकली नोट छापने का आइडिया दिया. फिर उसने कहा कि वह सूरत में ऐसे नोट छापने और उन्हें बाजार में चलाने के लिए ग्राहक ढूंढने में मदद करेगा. इसलिए उन्होंने खुद यूट्यूब पर नोट छापने के तरीके के वीडियो देखे और पैसे उधार लेकर नोट छापने के लिए कलर प्रिंटर, स्याही, मिश्रित कागज आदि खरीदा. और अपने न्यूज चैनल के दफ्तर में करेंसी नोट छापने लगा. फिरोज को अन्य आरोपी बाबूलाल गंगाराम कपासिया और शफीक खान इस्माइल खान मध्य प्रदेश से असली नोटों से मिलते-जुलते कागज और स्याही खरीदकर पहुंचा रहे थे. तीनों आरोपी मिलकर पिछले दो महीने से न्यूज चैनल के ऑफिस में प्रिंटर की मदद से नोट छापने का काम करने लगे. तीनों आरोपी नोट छापने के लिए अपने न्यूज चैनल के दफ्तर में इकट्ठा हो रहे थे तभी पुलिस ने छापा मारकर उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया. आरोपी शफीक इस्माइल खान से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह उज्जैन में जमीन की दलाली करता है. एक अन्य आरोपी बाबूलाल गंगाराम कपासिया शामिल था, जो उसके साथ जमीन दलाली का काम करता था. शफीक और बाबूलाल दोनों एक महीने पहले जमीन दलाली के काम से सूरत आए थे, तभी उनकी मुलाकात फिरोज सूपडू शाह से हुई. तीनों ने नकली नोट छापने का फैसला किया. लाभ को बराबर शेयरों में बेचने का निर्णय लिया गया. आरोपी खुद फिरोज सूपडू के साथ मिलकर नोट छापने में मदद कर रहे थे.

इस संबंध में डीसीपी राजदीप सिंह नकुम ने बताया कि देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने और उसे कमजोर करने के लिए नकली भारतीय नोट बनाकर बाजार में चलाने वालों की पहचान के लिए एसओजी/पीसीबी की अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है. इसी बीच एस.ओ.जी. पुलिस को सूचना मिली कि लिंबायत क्षेत्र में रहने वाला और स्थानीय न्यूज चैनल चलाने वाला फिरोज अपने बदमाशों के जरिए नकली भारतीय नोट छाप रहा है. इस तरह के नकली नोट लिंबायत क्षेत्र में सब्जी की लारी, पान के गल्लो आदि पर चलाए जाते हैं ताकि किसी को शक न हो. आगे कहा कि चूंकि आरोपी चतुर और आदतन था, इसलिए उसे आसानी से पकड़ना मुश्किल था. इस आदमी को रंगे हाथों पकड़ने के लिए एसओजी और पीसीबी के लोगों ने खुद को फेरीवालों का भेष बनाकर सब्जी की लारी, कपड़े की लारी, फल की लारी, नाश्ते की लारी के साथ ऑफिस के आसपास के क्षेत्र मे घूमकर इस पर पिछले दो महीनों से नजर रखी जा रही थी. फिरोज अपने दो साथियों बाबूलाल और शफीक के साथ लिंबायत मदीना मस्जिद के पीछे स्थित एसएच न्यूज 24X7 चैनल और सूरत हेराल्ड साप्ताहिक के कार्यालयों में नकली नोट छापते पाया गया था. इसलिए आरोपी फिरोज सूपडू शाह, बाबूलाल गंगाराम कपासिया और शफीक खान को गिरफ्तार कर कार्यालय से नकली भारतीय मुद्रा नोट छापने की सामग्री, प्रिंटर आदि जब्त किए गए. पुलिस ने ९.३६ लाख नकली नोट, नोट छापने में इस्तेमाल होने वाले ३११० नंग कागज, एक कलर प्रिंटर, २ कटर मशीन, हरी स्याही वाला बॉल पेन और स्याही की बोतल, एक न्यूज चैनल का प्रेस आईडी कार्ड, ४ इंटरव्यू माइक आदि जब्त किया है.

आरोपियों में मुख्य आरोपी फिरोज सूपडू शाह से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि इससे पहले २०१५ में वह नकली नोट इकट्ठा करने के लिए झारखंड के धनबाद गया था और वहां पुलिस ने उसे ३५ हजार रुपये के नकली नोटों के साथ पकड़ा था. इस मामले में वह दो साल तक जेल में रहा और बाद में उन्हें हाई कोर्ट से जमानत मिल गई. इसके बाद दो साल पहले सूदखोरी का लाइसेंस लिया और उसमें भी पैसा डूब गया. बाद में अपना खुद का न्यूज चैनल शुरू किया. इस न्यूज़ चैनल को लगभग छह महीने हो गए हैं. इस अपराध में अन्य आरोपी भी शामिल हैं? इस संबंध में भी आगे की जांच जारी है.

सेंट्रल जोन रंग उपवन स्थित मल्टीलेवल पे एंड पार्क में अवैध पार्किंग शुल्क को लेकर

आप के पार्षदों का निगम आयुक्तको ज्ञापन।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, आम आदमी पार्टी के पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्तसे मुलाकात कर नगर निगम के पे एंड पार्क में चल रहे अवैध गबन को लेकर ज्ञापन दिया. इस संबंध में आम आदमी पार्टी पार्षद ने यह पूरा मामला सामने लाया.

सूरत नगर निगम द्वारा प्रबंधित सेंट्रल ज़ोन के रंग उपवन में निर्मित मल्टीलेवल पे एंड पार्क में, डीएल इंफ्रा नामक पट्टेदार को ता. १९/५/२०२४ को पे एंड पार्क क्षेत्र में नागरिकों से अवैध रूप से दोगुना पार्किंग शुल्क वसूलने के दौरान पता चला कि डीएल इंफ्रा नाम के पट्टेदार ने नगर निगम के टेंडर की किसी भी शर्त का पालन नहीं किया है. इलेक्ट्रॉनिक स्लीप के स्थान पर मैन्युअली स्लिप दी जाती है तथा ३ घंटे के लिए १० रुपये के स्थान पर २० रुपये का डबल चार्ज भी लिया जा रहा है, मूल्य पत्रक कहीं भी मुद्रित नहीं है. पर्याप्त स्टाफ नहीं, जो हैं वे बिना वर्दी के मौजूद थे. सबूत पेश किया गया कि बगल के उद्यान विभाग भवन के परिसर में अवैध रूप से वाहन पार्क किए जा रहे थे और अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा था.

आप निगम पार्षद विपुल सुहागिया ने कहा कि डीएल इंफ्रा नाम का पट्टाधारक नगर निगम की संपत्ति को अपनी संपत्ति मानकर सार्वजनिक संपत्ति का दुरुपयोग कर रहा है और निजी उद्देश्यों के लिए निहित स्वार्थों के लिए व्यावसायिक आधार पर इसका दुरुपयोग कर रहा है, इसके अलावा, डीएल इंफ्रा नाम का यह पट्टाधारक अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूलता पाया गया है, जिससे सूरत नगर निगम को भारी नुकसान हो रहा है और यह स्पष्ट रूप से भ्रष्ट है, अवैध रूप से उगाही कर रहा है, जिसके चलते सूरत नगर निगम ने उनके खिलाफ गबन, विश्वासघात, धोखाधड़ी और सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग का अपराध दर्ज किया जाना चाहिए, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई.

इस बात की विस्तृत जांच की जानी चाहिए कि सूरत नगर निगम के संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण निकटवर्ती उद्यान के परिसर से कितना पैसा अवैध रूप से निकाला गया और उनसे ब्याज और जुर्माना सहित सभी राशि की वसूली की गई, जो नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हैं. कांट्रैक्ट देने के बाद उनके रख-रखाव और प्रबंधन के संबंध में सूरत नगर निगम को हुई वित्तीय हानि की वसूली उनके खिलाफ कार्रवाई करके की जानी चाहिए. नागरिकों द्वारा करों के दुरुपयोग की यह घटना बेहद गंभीर मामला है और इसकी तस्वीरें भी हमारे पास हैं. उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए और नगर पालिका को हुआ नुकसान वसूलने के लिए सूरत नगर निगम को डीएल इंफ्रा कंपनी की सभी एसडी और पीजी जमा राशि जब्त की जानी चाहिए और इस कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए और वसूली के साथ-साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अनुकरणीय कार्रवाई की जानी चाहिए.

न्यू सिविल अस्पताल में खराब पड़ी व्हीलचेयर खीचते नजर आई वृद्ध महिला

नागरिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, न्यू सिविल अस्पताल लगातार विवादों में घिरा हुआ है. एक विवाद ख़त्म होता नही है की दूसरा विवाद शुरू हो जाता है. कुछ दिनों पहली ही पानी की टंकी में सफाई के लिए बच्चे को उतारा गया था, जिसका विडियो भी वायरल हुआ था. जिसके सब योग्य कार्यवाही का आश्वासन दिया था. अब एक ओर विडियो वायरल हुआ है जिसमे सिविल अस्पताल परिसर में मरीज बिना ट्यूब टायर वाली व्हीलचेयर पर जाते दिख रहा है. मरीज की रिश्तेदार वृद्ध महिला व्हीलचेयर खींचते हुए देखे जाने के बाद नागरिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं.

न्यू सिविल अस्पताल में मरीजों की दुर्दशा कितनी खराब है ये अनेकों बार सामने आ चुकी है. अब एक ओर विडियो वायरल हुआ है जिसमे सिविल अस्पताल परिसर में मरीज बिना ट्यूब टायर वाली व्हीलचेयर पर जाते दिख रहा है. विडियो वायरल होने के बाद लोग कह रहे हैं कि लाखों खर्च करने वाली सिविल तंत्र के पास व्हीलचेयर नहीं है क्या ?. सिविल अस्पताल परिसर एक वृद्ध महिला बिना टायर ट्यूब के व्हीलचेयर खींचने को मजबूर बनी. यह पहली घटना नही है की ऐसा हुआ हो, इससे पहले भी कई घटनाएं हुई हैं जहां मरीज़ व्हीलचेयर से गिरते हुए देखा गया हैं. जिसके बाद भी सिविल तंत्र निंद्र अवस्था में हो ऐसा लग रहा है.

न्यू सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को किसी ना किसी परेशानी का सामना करना ही पड़ता है. इलाज के लिए आने वाले कई मरीजों और परिजनों का कहना है की सिविल तंत्र में कार्यरत अधिकारी कुर्सी पर मस्त रहते है और इलाज के लिए आने वाले मरीजों और परिजनों को समस्या का सामना करना पड़ता है. लोगों को हो रही समस्या पर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए और ऐसी लापरवाही जिसके कारण हो रही हो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए.

सूरत पालिका समिति के स्कूलों में छुट्टियों के दौरान स्कूल बैग वितरण के लिए परिपत्र प्रकाशित करने पर विवाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर पालिका द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति स्कूल में सभी विद्यार्थियों को जूता-मोजा और यूनिफॉर्म के साथ स्कूल बैग उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है. सभी बच्चों को स्कूल बैग उपलब्ध कराने के निर्णय का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन उस समय विवाद खड़ा हो गया जब शिक्षा समिति ने छुट्टियों के दौरान समिति के स्कूलों में स्कूल बैग वितरण के लिए एक परिपत्र जारी किया, जब अधिकांश शिक्षक घोषित छुट्टियों के कारण सूरत में नहीं है. शिक्षा समिति ने जिस कंपनी को बैग का ऑर्डर दिया था, उसने बैग दे दिया है. ३० मई तक स्कूल खोलने और बैग जमा करने के आदेश से शिक्षकों-प्रधानाचार्यों में काफी नाराजगी देखी जा रही है.

इस वर्ष सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को पहली बार यूनिफॉर्म और जूते मोज़े के साथ स्कूल बैग देने का निर्णय लिया गया है. समिति ने मुंबई के हेक्सा कॉर्प को बैग के लिए ऑर्डर दिया और मानदंडों के अनुसार स्कूल बैग उपलब्ध कराए जाएंगे. यह स्कूल बैग स्कूली सत्र शुरू होने पर ही विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने की योजना है. लेकिन अवकाश के दौरान शिक्षा समिति द्वारा जारी किये गये सर्कुलर से शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों में काफी नाराजगी है. फिलहाल छुट्टियों पर चल रहे ज्यादातर शिक्षक और प्रिंसिपल सूरत से बाहर चले गए हैं, जबकि ३० मई तक जोन वाइज बैग बांटने के निर्देश दिए गए हैं. सर्कुलर के मुताबिक, एजेंसी स्कूल बैग के स्कूल पहुंचने के अनुमानित समय से एक दिन पहले प्रिंसिपल को फोन पर सूचित करेगी, जिसके मुताबिक प्रिंसिपल को स्कूल खोलने और स्कूल बैग को इकट्ठा करने की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है. इसके अलावा यह भी बताया गया है कि एजेंसी द्वारा चालान जारी करने में सामान की गिनती चालान के अनुसार करनी होगी

सीसीटीवी वायरल होने पर पकड़े जाने के बाद घटना स्थल पर से जुलुस निकल माफ़ी मंगवाई गई

डर का माहौल बनना भरी पड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, लोकसभा चुनाव को लेकर नियमानुसार हथियार जमा करवा देना होता है. हालांकि, कई असामाजिक तत्व नशे में धुत होकर नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं और घातक हथियार लेकर घूम रहे हैं. ऐसी ही एक घटना लिंबायत से सामने आई थी. लिंबायत के नीलगिरि क्षेत्र में युवक का रेम्बो चाकू द्वारा लोगों को धमकाने का सीसीटीवी वायरल

होने के बाद सीसीटीवी के आधार पर लिंबायत पुलिस ने समाधान बागुल नाम के शख्स को गिरफ्तार कर उसके पास से हथियार बरामद कर लिया है. और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की गई है. साथ ही शख्स को घटना स्थल पर ले जा कर जुलुस निकाला और पुरे मोहौले में घुमाकर माफ़ी मंगवाई गई.